RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"
पटना, वर्षः 6 , अंकः327, सोमवार, 12 जनवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मनरेगा बचाओ कार्यक्रम के तहत कांग्रेस का उपवास, केंद्र सरकार पर योजना कमजोर... 03

जिसने चिता से निहत्थे भिड़कर मौत को हराया, आज वही वीर सिपाही जिंदगी से जंग हार गया 04

अलीशा पवार ने बताई सच्चे प्यार की परिभाषा कहा-शुरुआत भरोसे से... 07

पश्चिम बंगाल से तमिलनाडु जाना होगा और आसान

- जल्द रफ्तार भरेंगी 3 अमृत भारत ट्रेनें, तैयारी हुई पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल को 3 अमृत भारत ट्रेनों की खास सौगात दी हैं। ये ट्रेनें साप्ताहिक रूप से चलाई जाएंगी। दोनों राज्यों में आगामी चुनाव से पहले इसे यात्रियों के लिए राहत की खबर माना जा रहा है। ये ट्रेनें तांबरम–संरागाछी, तिरुचिरापल्ली–न्यू जलपाईगुड़ी और नागरकोइल–न्यू जलपाईगुड़ी रूट पर दौड़ेंगी। रेलवे बोर्ड ने ट्रेन के चलने का समय निर्धारित करते हुए इसकी औपचारिक घोषणा कर दी है। नई अमृत भारत एक्सप्रेस में 8 स्लीपर और 11 सेकेंड क्लास सिटिंग कोच होंगे। इसके अलावा ट्रेन में दिव्यांग यात्रियों के लिए एक कोच अलग से होगा।

वेस्ट बंगाल के हल्दिया में नेवी बेस बना रहा भारत

- बढ़ेगी नौसेना की ताकत, चीन-बांग्लादेश की शामत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ सालों में भारत के अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों में गिरावट आई है। पाकिस्तान के साथ तो तनाव दशकों पुराना है, चीन और बांग्लादेश जैसे देशों से भी संबंध खराब होते चले गए हैं। ऐसे में किसी भी खराब स्थिति से निपटने के लिए भारतीय सेना और नौसेना पूरी तरह से तैयार रहती है। इंडियन नेवी बंगाल के हल्दिया में बंगाल की खाड़ी में एक नया बेस बनाने जा रही है, जिससे चीन और बांग्लादेश के लिए शामत आ गई है। नेवी बेस पर युद्धपोतों को तैनात किया जाएगा। बेस के जरिए भारत कभी भी चीन और बांग्लादेश की हरकतों को मुंहतोड़ जवाब दे सकेगा। इससे नेवी की ताकत में कई गुना इजाफा होने की संभावना है। इंडिया टुडे ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि हल्दिया के डॉक कॉम्प्लेक्स का इस्तेमाल शुरुआती समय में नेवी बेस के तौर पर किया जाएगा।

तेजस्वी ने नीतिश सरकार को दी 100 दिन की मोहलत

- नेता प्रतिपक्ष बोले-सरकार ने जो वादे किए हैं, वो पूरे करें

पटना (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव करीब डेढ़ महीने बाद रविवार को पटना लौटे। सपरिवार विदेश यात्रा पर गए तेजस्वी पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम सरकार को 100 दिनों का समय देते हैं। महिलाओं के खाते में दो लाख दिए जाएं। अपराध कम हो और रोजी रोजगार के वायदे पूरा हो। सरकार ने जो भी घोषणा पत्र में वादे किए थे, वो पूरा करे। उन्होंने एक बार फिर बिहार विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। जनतंत्र को इन लोगों ने धनतंत्र और मशीन तंत्र बना दिया है। क्या षडयंत्र रचा गया, सबको पता है। छल–कपट से चुनाव जीते। बिहार की नई सरकार कैसे बनी पूरा देश जानता है।

लॉन्च के लिए तैयार ईओएस-एन1 सेटेलाइट

- धरती का करेगा अवलोकन, इसरो अध्यक्ष ने तिरुपति में की पूजा

14 अन्य पेलोड भी अंतरिक्ष में ले जाएगा पीएसएलवी-सी62 रॉकेट

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 12 जनवरी सोमवार को वर्ष 2026 का अपना पहला अंतरिक्ष मिशन लांच करने जा रहा है। इसरो का पीएसएलवी सी62 रॉकेट अर्थ आब्जर्वेशन सेटेलाइट (ईओएस-एन1) को अंतरिक्ष में ले जाएगा। पीएसएलवी सी62 रॉकेट ईओएस-एन1 के साथ 14 अन्य पेलोड को भी अंतरिक्ष में ले जाएगा।

यह मिशन इसरो की कमर्शियल शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआइएल) द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसरो ने शनिवार को कहा, रॉकेट और उपग्रहों का एकीकरण पूरा हो चुका है। पीएसएलवी सी62 मिशन को 12 जनवरी को सुबह 10.17 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित करने की योजना है। इस मिशन के लिए 25 घंटे की उल्टी गिनती 11 जनवरी को शुरू होने की उम्मीद है। यह पीएसएलवी की 64वीं उड़ान होगी। इस मिशन के साथ भारतीय धरती से लांच किए गए विदेशी उपग्रहों की कुल संख्या 442 हो जाएगी। पीएसएलवी ने अब तक 63 उड़ानें पूरी की हैं, जिनमें चंद्रयान-1, मंगल आर्बिटर मिशन और आदित्य-एल1 मिशन शामिल हैं। इसरो ने बताया कि इस मिशन के तहत राकेट थाईलैंड और ब्रिटेन द्वारा निर्मित पृथ्वी अवलोकन उपग्रह के साथ 13 अन्य उपग्रहों को प्रक्षेपण के लगभग 17 मिनट बाद इच्छित सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित करेगा।

हालांकि, रॉकेट के चौथे चरण (पीएस4) का पृथक्करण और स्पेनिश स्टार्टअप के केस्ट्रल इनिशियल टेक्नालॉजी डिमांसट्रेटर (केआइडी) कैप्सूल का प्रदर्शन लांचिंग के दो घंटे बाद होने की उम्मीद है।

आरएसएस बदल नहीं रहा, समय के साथ अपने स्वरूप सामने ला रहा

- भागवत ने बता दी संघ की खास बात, फिल्म शतक का म्यूजिक लॉन्च

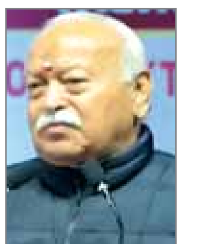

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है और बस सामने आ रहा है। आरएसएस प्रमुख यहां संगठन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जो आगामी फिल्म 'शतक' के गीत संग्रह के विमोचन के लिए आयोजित किया गया था। यह फिल्म आरएसएस के 100 साल के सफर का वर्णन करती है। भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन (आरएसएस) अपनी शताब्दी मना रहा है। लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। हालांकि, वास्तव में यह बदल नहीं रहा है; यह बस धीरे-धीरे विकसित हो रहा है।

- **बीज से फल–फूलों से लदे परिपक्व वृक्ष का जिक्र–** उन्होंने कहा, जिस प्रकार बीज से अंकुर निकलता है और फल–फूलों से लदा परिपक्व वृक्ष एक अलग रूप धारण कर लेता है, उसी प्रकार ये दोनों रूप भिन्न हैं। फिर भी, वृक्ष मूलतः उसी बीज के समान है जिससे वह उगा है। भागवत ने कहा कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जन्मजात देशभक्त थे और उन्होंने अपना जीवन बचपन से ही राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया था।

सोमनाथ तोड़ने वाले इतिहास के पन्नों में सिमटे

- मोदी बोले-गजनवी से औरंगजेब तक अतीत में हो गए दफन, सोमनाथ वहीं खड़ा

दुर्भाग्य से देश में आज भी मंदिर पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें मौजूद

राजकोट (एजेंसी)। गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर 1000 साल पहले हुए हमले को लेकर पीएम ने कहा कि, उस वक्त आतताई सोच रहे थे कि वे जीत गए हैं, लेकिन आज भी सोमनाथ मंदिर में फहरा रही ध्वजा बता रही है कि हिंदुस्तान की शक्ति क्या है। दुर्भाग्य से आज भी हमारे देश में वे ताकतें मौजूद हैं, जिन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था। पीएम ने नेहरू का नाम लिए बिना कहा कि जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। दरअसल 1951 में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने को लेकर जवाहरलाल नेहरू ने आपत्ति जताई थी। पीएम ने मंदिर से करीब 3 किमी दूर सद्भावना ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आज भी ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटने की कोशिश में लगी हुई हैं। पीएम ने सुबह मंदिर में करीब 30 मिनट तक पूजा-अर्चना की।

आज भी विरोधी ताकतें मौजूद

जिस देश के पास विरासत होती है तो वह देश उस पर गर्व करता है। लेकिन हमारे देश की आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता वाले लोगों ने उसी विरासत को भुला दिया। जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भी मंदिर आने से रोकने की कोशिश की गई। हमें आज भी सावधान रहना है, एकजुट रहना है। ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटनें की कोशिशों में लगी हुई हैं। आज हर देशवासी के मन में विकसित भारत को लेकर भरोसा है। भारत अपने गौरव को नई बुलंदी देगा।

देश में वे ताकतें मौजूद, जिन्होंने मंदिर पुनर्निर्माण का विरोध किया

जिस देश के पास विरासत होती है तो वह देश उस पर गर्व करता है। लेकिन हमारे देश की आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता वाले लोगों ने उसी विरासत को भुला दिया। जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भी मंदिर आने से रोकने की कोशिश की गई। पीएम ने कहा–आज उस इतिहास के बारें में कल्पना कीजिए, 1 हजार साल पहले 1026 में गजनवी ने मंदिर को तोड़ा था। उसे लगा उसने सोमनाथ का वजूद मिटा दिया। लेकिन इसके बाद ही मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू हो गया। इसके बाद खिलजी ने मंदिर तोड़ा। लेकिन जूनागढ़ के राजाओं ने फिर से मंदिर का पुनर्निर्माण करा दिया। ये भी संयोग है कि आज सोमनाथ आक्रमण के 1 हजार साल पूरे हो रहे हैं। और अब इसके पुनर्निर्माण के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। सोमनाथ को नष्ट करने के एक नहीं, अनेकों प्रयास हुए। विदेशी आंक्राताओं द्वारा कई सदियों तक भारत को खत्म करने की कोशिशें होती रहीं। लेकिन न ही सोमनाथ नष्ट हुआ, न ही भारत नष्ट हुआ।

सरकार की सख्ती के आगे झुका एलन मस्क का एक्स

- अश्लील तस्वीरों के मामले में अपनी गलती मानी
- हजारों पोस्ट और 600 से ज्यादा अकाउंट डिलीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार की सख्ती के आगे एक्स ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। एलन मस्क की कंपनी एक्स ने खुद माना है कि उनके एआई टूल ग्रोक की मदद से आपत्तिजनक और अश्लील कंटेंट बनाया और फैलाया गया। कंपनी ने भारतीय कानून का पालन करने की बात कही है। इतनी ही नहीं कंपनी ने सरकार के दबाव के बाद हजारों पोस्ट ब्लॉक किए हैं और सैंकड़ों की संख्या में अकाउंट्स को डिलीट भी किया गया है। बता दें कि कुछ समय पहले ग्रोक के जरिए लोग एक्स पर महिलाओं और नाबालिगों की अश्लील तस्वीरें बना और पोस्ट कर रहे थे जिसके बाद सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अल्टीमेटम तक दे दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्स ने गलत इस्तेमाल पर गलती मान ली है।

एमपी में 10 करोड़ की एमडी ड्रग्स हुई जब्त

- अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 50 करोड़ रुपए

आगरमालवा में नर्सरी के अंदर मिली यह गुप्त फैक्ट्री

आगर मालवा (एजेंसी)। आगर मालवा जिले में नर्सरी की आड़ में चल रही एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। नारकोटिक्स विभाग ने शनिवार तड़के आमला क्षेत्र स्थित तीर्थ नर्सरी पर छापा मारकर 31 किलो 250 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की है। जब्त ड्रग्स की कीमत घरेलू बाजार में करीब 10 करोड़ रुपए, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 50 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। शनिवार सुबह करीब 4 बजे उज्जैन सहित अन्य जिलों से पहुंची नारकोटिक्स विभाग की संयुक्त टीम ने नर्सरी और फार्म हाउस की घेराबंदी की।

- **एसपी बोले– जांच में इंदौर कनेक्शन सामने आया–** नारकोटिक्स उज्जैन क्षेत्र के अधीक्षक मुकेश खत्री ने बताया कि इस फार्म हाउस सहित आसपास की करीब 180 बीघा जमीन कालूराम रातड़िया और उनकी दोनों पत्नियां आरती व संतोष बाई रातड़िया के नाम पर दर्ज है।

केरल में अंतिम लक्ष्य कमल चिन्ह के नीचे सरकार बनाना है

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम में की जनसभा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का केरल में अंतिम लक्ष्य कमल चिन्ह के नीचे सरकार बनाना है। नवनिर्वाचित स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों की सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने तिरुवनंतपुरम स्थानीय चुनावों में हालिया जीत को एक पड़ाव बताया। शाह ने पार्टी के उद्देश्य पर जोर देते हुए कहा कि केरल को पूर्ण रूप से विकसित बनाना, राष्ट्र-विरोधी ताकतों से बचाना और सदियों से चली आ रही आस्था की शक्ति की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि केवल नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला एनडीए ही ये लक्ष्य हासिल कर सकता है। अमित शाह ने कहा,यह जीत हमारा लक्ष्य नहीं है, बल्कि हमारे लक्ष्य की ओर एक कदम है। हमारा अंतिम लक्ष्य केरल में कमल चिन्ह के नीचे सरकार बनाना है।

राजस्थान में पंचायत चुनाव एक साथ कराने की तैयारी

- 12 जिलों के परिषद-पंचायत समिति बोर्ड भंग करने के संकेत
- चुनाव आयोग ने पूछा था-स्थिति स्पष्ट करे सरकार, तभी चुनाव

जयपुर (एजेंसी)। राज्य सरकार ने 'वन स्टेट वन इलेक्शन' की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए जयपुर-जोधपुर सहित प्रदेश के 12 जिलों में जिला परिषद और पंचायत समितियों के बोर्ड समय से पहले भंग भी कर सकती है। हाल ही में राज्य चुनाव आयोग ने चिट्ठी लिखकर सरकार से 'वन स्टेट वन इलेक्शन' पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा था।

चिट्ठी के बाद प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से सरपंचों को बुलाकर 'वन स्टेट वन इलेक्शन' पर चर्चा हो चुकी है। संबंधित सरपंचों को बोर्ड भंग करने के संकेत दे दिए गए हैं। अब बजट पूर्व संवाद के दौरान मुख्यमंत्री भी सरपंच प्रतिनिधियों से बात कर सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो जिन पंचायत समितियों और जिला परिषदों का कार्यकाल बाकी है, उसे समाप्त कर एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं। हालांकि इस राह में अभी भी कई चुनौतियां बनी हुई हैं। आमतौर पर प्रदेश के सभी जिलों में पंचायत चुनाव एक साथ होते आए हैं। कोरोना काल में (2020 से 2022) प्रदेश की ज्यादातर पंचायतों का कार्यकाल पूरा होने के बाद चुनाव नहीं हो पाए थे। तब सरकार ने सरपंचों को ही प्रशासक बनाकर उनका कार्यकाल बढ़ा दिया था। सरपंचों और वार्ड पंचों की एक कमेटी बनाकर चुनाव होने तक उसे ही प्रशासक के पावर दे दिए गए थे। पुराने जिलों के हिसाब से 21 और नए के हिसाब से 25 जिलों में पंचायत समितियों कार्यकाल कब का समाप्त हो चुका है। पुराने 12 जिलों (नए के हिसाब से 16) में कई पंचायत समितियों और जिला परिषदों का कार्यकाल अभी बाकी है।

चुनाव आयोग के लेटर के बाद सरकार में तैयारियां तेज

सरकार चाहती है कि 'वन स्टेट वन इलेक्शन' के तहत सभी ग्राम पंचायत और पंचायत समितियों के चुनाव एक साथ हों, लेकिन इसका निर्णय भी सरकार को ही लेना है। 3 दिन पूर्व 8 जनवरी को ही राज्य चुनाव आयोग ने भी पत्र लिखकर पूछा था– 'वन स्टेट वन इलेक्शन' के तहत पंचायत चुनाव कराने हैं या नहीं, स्थिति स्पष्ट करें। ऐसे में सरकार के स्तर पर भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। पंचायती राज से जुड़े अधिकारियों ने विभिन्न हिस्सों से सरपंच प्रतिनिधियों को बुलाकर चर्चा की थी। अब 17 जनवरी को बजट पूर्व संवाद के दौरान फाइनल डिस्कशन मुख्यमंत्री स्तर पर हो सकता है। अधिकारियों के साथ मीटिंग में शामिल रहे राजस्थान सरपंच संघ के प्रवक्ता रफीक पठान कहते हैं–राज्य सरकार ने बात करने के लिए हमें मुख्यमंत्री कार्यालय बुलाया था।

बांग्लादेश चुनाव में जमात-ए-इस्लामी का बड़ा दांव

भारत विरोधी पार्टी ने 11 दलों संग बनाया महागठबंधन

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में अगले महीने, फरवरी में होने वाले आम चुनाव से पहले सियासी जोड़तोड़ तेज हो गया है। खासतौर से जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के नेतृत्व में बन रहा बड़ा गठबंधन ध्यान खींच रहा है। जमात और एनसीपी सहित 11 पार्टी मिलकर गठबंधन बना रही हैं। ये गठबंधन तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बीएनपी के लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है, जिनको शेख हसीना की गैरहाजिरी में सबसे मजबूत नेता माना जा रहा है। वहीं भारत के लिए भी इस तरह का मजबूत एलायंस चिंता बढ़ाएगा क्योंकि जमात का भारत विरोध का पुराना इतिहास है। वहीं छात्रों के नेतृत्व वाली एनसीपी का मिजाज भी एंटी इंडिया रहा है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, 11-दलीय गठबंधन सीट बंटवारे के मामले में नतीजे के पास पहुंच गया है। लंबी चर्चा के बाद गठबंधन के नेता सभी 300 निर्वाचन क्षेत्रों में साथ मिलकर लड़ने की बात कह रहे हैं। 20 जनवरी से पहले इसका ऐलान हो सकता है। 20 जनवरी ही नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख है। 11-दलीय इस गठबंधन में जमात-ए-इस्लामी, इस्लामी अंदोलन बांग्लादेश और एनसीपीके अलावा बांग्लादेश खिलाफत मजलिस, बांग्लादेश खिलाफत अंदोलन आदि शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

पर्यटन से लौटे तेजस्वी, पटना आकर करने लगे राजनीतिक प्रवचन : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता अरविंद निषाद ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि तेजस्वी यादव के लिए राजनीति कभी भी जनता की सेवा का माध्यम नहीं रही, बल्कि यह केवल अवसर देखकर किया जाने वाला राजनीतिक पर्यटन है। बिहार की जनता को वे केवल चुनाव के समय याद करते हैं और चुनाव में करारी हार मिलने के बाद जनता से दूरी बना लेते हैं। विदेश दौरे से करीब एक महीने बाद पटना आकर स्वयं को जनता का हितैषी बताने की कोशिश करना जनता के साथ एक और राजनीतिक नौटंकी से ज्यादा कुछ नहीं है। बिहार की जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से तेजस्वी यादव को पांच वर्षों के लिए विपक्ष में बैठने का स्पष्ट जनादेश दिया है और बड़ी मुश्किल से उन्हें नेता प्रतिपक्ष की भूमिका मिली है। इसके बावजूद सरकार गठन के बाद वे बिहार से बाहर घूमते रहे और अब अतिथि राजनेता की तरह पटना पहुंचकर सरकार पर सवाल उठाना पूरी तरह हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार अपने हर चुनावी वादे को समयबद्ध और चरणबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में सरकार ने ठोस कदम उठाते हुए महिला रोजगार योजना के तहत अब तक लगभग डेढ़ करोड़ महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपये की राशि सीधे भेज दी है और जो महिलाएं अब तक वंचित रह गई हैं, उन्हें भी जल्द ही इस योजना का लाभ दिया जाएगा। सरकार केवल घोषणाएं नहीं करती, बल्कि जमीन पर काम करती है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार शपथ ग्रहण के पहले दिन से ही बिहारवासियों के कल्याण के लिए लगातार निर्णय ले रही है। वर्ष 2025 से 2030 के बीच एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने के लिए विस्तृत रोडमैप तैयार किया जा रहा है, जिस पर गंभीरता से काम चल रहा है।

अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर हार का ठीकरा फोड़ रहे हैं तेजस्वी : उमेश

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि चुनावी जनादेश पर सवाल उठाकर वे न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अविश्वास जता रहे हैं, बल्कि बिहार की जनता का भी अपमान कर रहे हैं। सदन में नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर रहते हुए इस प्रकार के गैर-जिम्मेदाराना वक्तव्य उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति नकारात्मक सोच को दर्शाते हैं।श्री कुशवाहा ने कहा कि बिहार की जनता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सुशासन की नीति, विकासोन्मुखी सोच और 20 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर भरोसा जताते हुए ऐतिहासिक बहुमत से एनडीए को पुनः सेवा का अवसर दिया है। जनता ने विपक्ष की झूठ, भ्रम और दुष्प्रचार की राजनीति को पूरी तरह नकारते हुए उसे राजनीतिक रसातल में पहुंचा दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि असल में तेजस्वी यादव अब तक अपनी करारी चुनावी हार को पचा नहीं पाए हैं। इसी हताशा और झुंझलाहट के कारण वे अब जनता के फैसले पर भी प्रश्नचिह्न लगाने के विफल प्रयास में जुटे हुए हैं। अपनी राजनीतिक नाकामियों और असफलताओं को छिपाने के लिए तेजस्वी यादव अब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर हार का ठीकरा फोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहाँ विपक्ष की सरकार बनती है, वहाँ चुनाव आयोग निष्पक्ष नजर आता है, और जहाँ उन्हें हार का सामना करना पड़ता है, वहाँ वही संस्था सवालों के घेरे में खड़ी कर दी जाती है। गत वर्ष पड़ोसी राज्य झारखंड में राजद समर्थित ह्यइंडी गठबंधनह्न की सरकार बनी, जिसमें तेजस्वी यादव की पार्टी के विधायक मंत्रिमंडल का हिस्सा भी हैं। इसलिए जनता अब विपक्ष की इस दोहरी मानसिकता और अवसरवादी राजनीति को भली-भांति समझ चुकी है।

राज्यपाल ने कुलपतियों के साथ बैठक की

पटना। राज्यपाल-सह-कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खां ने बिहार लोक भवन, पटना में बिहार के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक की और महत्वपूर्ण निदेश दिये। बैठक में राज्यपाल ने सभी कुलपतियों को उच्च न्यायालय एवं बिहार लोक भवन के निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निदेश दिया। उन्होंने उन्नत भारत अभियान को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने का निदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय पाँच-पाँच गाँवों को गोद ले। उन्होंने स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षा के कैलेण्डर के अनुपालन का भी निदेश दिया। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से जुड़े हुए बिहार विधान मंडल से संबंधित प्रश्नों के उत्तर हेतु अपेक्षित प्रतिवेदन ससमय उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव ने पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से बिहार में उच्च शिक्षा की स्थिति की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु विवरणी, समर्थ मॉड्यूल, अपार आई०डी०, विभिन्न वित्तीय मुद्दों आदि की भी समीक्षा की गई एवं आवश्यक निदेश दिये गए। राज्यपाल की अध्यक्षता में आहूत इस बैठक में शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, राज्यपाल के प्रधान सचिव रॉबर्ट एल चोंग्थू, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव राजीव रौशन, बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो गिरीश कुमार चौधरी, उच्च शिक्षा निदेशक प्रो एनकेअग्रवाल, बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारी एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

बिहार पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने किया स्वास्थ मंत्री से भेंट

पटना। बिहार पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय से मुलाकात कर राज्य के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण से जुड़े अहम मुद्दों को प्रमुखता से उठाया ।एसोसिएशन के सचिव प्रेम रंजन ने बताया कि सरकारी एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत लाखों विद्यार्थी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य सुरक्षा को भी प्राथमिकता देना आवश्यक है। प्रतिनिधिमंडल द्वारा स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष मांग रखी गई कि राज्य के सभी विद्यालयों (निजी विद्यालय सहित) में नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जाएँ, विद्यार्थियों के लिए रियायती अथवा मुफ्त स्वास्थ्य बीमा योजना लागू हो तथा मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए काउंसलिंग व जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किए जाएँ। साथ ही निजी विद्यालयों को भी राज्य की स्वास्थ्य योजनाओं से जोड़े जाने की मांग की गई। सचिव कहा कि स्वस्थ विद्यार्थी ही सशक्त बिहार का निर्माण कर सकते हैं। यदि छात्र सुरक्षित और स्वस्थ रहेंगे, तभी शिक्षा व्यवस्था प्रभावी होगी। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। यह मुलाकात छात्र हित एवं शिक्षा-स्वास्थ्य समन्वय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक गोलघर परिसर का भ्रमण कर वर्तमान स्थिति का लिया जायजा

एजेंसी

» अधिकारियों को गोलघर परिसर के सौंदर्गीकरण एवं इसके रखरखाव को अच्छे ढंग से कराने का निर्देश

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज ऐतिहासिक गोलघर परिसर का भ्रमण कर वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने गोलघर परिसर पार्क, गोलघर के स्ट्रक्चर की स्थिति, लाइट एंड साउंड एवं लेजर शो आदि का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुये कहा कि गोलघर एक ऐतिहासिक धरोहर है, काफी संख्या में लोग इसे देखने आते हैं। गोलघर परिसर के सौंदर्गीकरण एवं इसके रखरखाव को अच्छे ढंग से कराएं ताकि यह देखने में मनोरम लगे। वर्ष 2013 में यहाँ शुरू किए गए लाइट एंड साउंड तथा लेजर शो का नियमित रूप से संचालन हो, इससे लोगों को इतिहास के संबंध में जनकारी प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि गोलघर की ऐतिहासिक महत्ता से यहां आनेवाले लोग अवगत हो सकें, इसके लिए यहां डिस्प्ले बोर्ड भी लगाकर प्रदर्शित करायें। गोलघर वास्तु कला का एक अदभुत नमूना है इसलिए इसके स्ट्रक्चर के रखरखाव का विशेष रूप से ख्याल रखें ताकि इसे और बेहतर तरीके से संरक्षित किया जा सके। भ्रमण के दौरान जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद संजय कुमार झा, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चंद्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस०एम० सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटेल सेवा संघ द्वारा आयोजित दही-चुड़ा भोज में शामिल हुए

एजेंसी

» पटेल सेवा संघ के आयोजकों ने मुख्यमंत्री का किया अभिनंदन

पटना।मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में पटेल सेवा संघ की ओर से दारोगा राय पथ स्थित पटेल सेवा संघ में दही-चुड़ा भोज का आयोजित किया गया। इस अवसर पर पटेल सेवा संघ के आयोजकों ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने पटेल सेवा संघ के परिसर में स्थापित भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया। इस अवसर पर जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद संजय कुमार झा वहीं विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता आर सी पी सिंह,भाजपा के संजय मयूख,जदयू के नीरज सिंह शामिल थे। आयोजक पटेल सेवा संघ के शंकर प्रसाद संयोजक,सह संयोजक सतेंद्र प्रसाद सिंह,जितेंद्र पटेल एवं प्रणव प्रकाश,स्वागताध्यक्ष सीमा पटेल, वहीं विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता आर सी पी सिंह,भाजपा के संजय मयूख,जदयू के नीरज कुमार सिंह आदि शामिल थे। पटेल सेवा संघ के आयोजक मंडल के संयोजक,शंकर प्रसाद, सह संयोजक सतेंद्र प्रसाद सिंह,जितेंद्र पटेल एवं प्रणव प्रकाश,स्वागताध्यक्ष सीमा पटेल, संजु कुमारी पटेल डॉ. विकास चंद्र भूषण प्र. सिंह इन्द्रजीत पटेल विनोद प्र. सिंह राधीका पटेल राजेश कुमार अनीता कुमारी पटेल कुसुम कुमारी मंजुवाला सिखपी कुमारी अश्वनी कुमार (रेलवे) सुजीत सरदार जलेश्वर महतो राजेश मुखीया विक्की पटेल अमीत कुमार देवेन्द्र महतों संजय कु. मास्टर (जलगोविंद बाढ़) संतोष पटेल (भागलपुर) जोगेश पटेल (हाजीपुर) - शिव शंकर प्रसाद विजय कु. विजेता रामचन्द्र सिंह समेत बड़ी संख्या में आयोजन समिति के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

राज्यों की हकमारी कर रही है केंद्र की मोदी सरकारः राजेश राम

एजेंसी

पटना।पटना महानगर कांग्रेस कमिटी के द्वारा आज नेशनल हाल कदमकुंआ में आयोजित मनरेगा बचाओ संग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत उपवास सत्याग्रह कार्यक्रम के तहत एकदिवसीय उपवास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम और अध्यक्षता पटना महानगर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष शशि रंजन ने किया। उपवास सत्याग्रह के समापन के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि मनरेगा देश के गरीब और श्रमिक वर्ग का कानूनी अधिकार है। इसके नाम या स्वरूप के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ कांग्रेस किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने इस योजना को लागू कर ग्रामीण गरीबों को रोजगार की गारंटी दी, जिससे बेरोजगारी, भुखमरी और मजबूरी में होने वाले पलायन पर प्रभावी रोक लगी। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण यह ऐतिहासिक योजना कमजोर होती जा रही है और नाम बदलने के साथ इसके मूल आत्मा को बदलने का प्रयास संविधान की धर्मनिरपेक्ष भावना के खिलाफ है। उन्होंने मजदूरों के सवाल उठाते हुए कहा कि मजदूरी समय पर क्यों नहीं मिल रही, काम के अवसर क्यों घटाए जा रहे हैं और बजट में लगातार कटौती क्यों की जा रही है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पटना महानगर अध्यक्ष शशि रंजन ने कहा कि महात्मा गांधी के नाम के साथ राजनीतिक प्रयोग लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है और केंद्र सरकार गरीबों के अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मनरेगा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसने गरीबों को काम के साथ सम्मान दिया, इसके मूल स्वरूप से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं है।इस अवसर पर पटना महानगर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष शशि रंजन, महानगर कांग्रेस कमिटी के पर्यवेक्षक रौशन कुमार सिंह, शशांत शेखर, इन्द्रदीप चन्द्रवंशी, डा संजय यादव, निशांत करपटने, डा0 परवेज हुसैन, विकास वर्मा, शिवम राज, पवन केसरी, अभय कुमार जायसवाल, हेमन्त चतुर्वेदी, राजेश कुमार, चंदन कुमार, मंटू कुमार, राजीव मेहता, मनोज मंडल, रूमा सिंह सहित अन्य नेतागण मौजूद रहें।

युवाओं के प्रेरणापुंज हैं स्वामी विवेकानंद : नंदकिशोर

एजेंसी

» पूर्व बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय युवा दिवस पर देश-प्रदेश के लोगों को दी शुभकामनाएं

पटना।भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व बिहार विधानसभा अध्यक्ष श्री नंदकिशोर यादव ने देश-प्रदेश के लोगों को राष्ट्रीय युवा दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं दी और कहा कि महान विचारक और समाज सुधारक स्वामी विवेकानंद की जयंती को हर वर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था, 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।' यह आज युवा पीढ़ी के लिए सफलता प्राप्ति का मंत्र बन चुका है। राष्ट्रीय युवा दिवस का उद्देश्य है, युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करना। श्री यादव ने आज प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि महान् आध्यात्मिक गुरु और युवा संन्यासी स्वामी विवेकानंद ने वैश्विक फलक पर सनातनी संस्कृति को स्थापित किया। स्वामी जी ने 30 वर्ष की आयु में अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन में हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व किया और उसे सार्वभौमिक पहचान दिलवायी। वे भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के प्रेरणा पूंछ थे। राष्ट्र निर्माण की दिशा में अग्रसर होने के लिए आज हर युवा को उनके जीवन दर्शन और शिक्षा को आत्मसात करने की जरूरत है। श्री यादव ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस का थीम है, 'युवाओं का सशक्तिकरणः विकसित भारत की नींव'। महान आध्यात्मिक गुरु, युवा संन्यासी, समाज सुधारक, प्रखर वक्ता एवं युवाओं के प्रेरणापुंज स्वामी विवेकानंद जी को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

लोजपा रामविलास संसदीय बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष हुलास पाण्डे ने मंत्री अशोक चौधरी से की शिष्टाचार भेंटः डॉ प्रकाश

एजेंसी

» नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ एनडीए सरकार के कार्यों की सराहना

पटना।लोक जन शक्ति पार्टी (रामविलास) के संसदीय बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष, वरिष्ठ संगठनकर्ता एवं मार्गदर्शक हुलास पाण्डे ने जदयू के वरिष्ठ नेता एवं बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन की सरकार द्वारा राज्य में किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। मुलाकात के दौरान हुलास पाण्डे ने कहा कि अशोक चौधरी एक परिपक्व, अनुभवी और जनप्रिय नेता हैं, जिन्हें बिहार की जनता उनके कार्यों और जनसेवा के लिए भली-भांति जानती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार में अशोक चौधरी द्वारा किए जा रहे प्रयास सामाजिक समरसता, शिक्षा एवं विकास के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इस अवसर पर बिहार सरकार के पीएचईडी मंत्री संजय सिंह भी उपस्थित थे। सभी नेताओं ने आपसी संवाद के दौरान राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों, जनहित के मुद्दों और विकास की प्राथमिकताओं पर भी चर्चा की। इसकी जानकारी देते हुए लोक जन शक्ति पार्टी (रामविलास) के संसदीय बोर्ड के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. ओम प्रकाश सोनू ने बताया कि यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई, जिसमें नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ बिहार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। उन्होंने कहा कि एनडीए के सभी घटक दल आपसी सहयोग और समन्वय के साथ बिहार के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एनडीए सरकार की नीतियों ने बदली बिहार की तस्वीर, मछली उत्पादन में देश के टॉप–4 राज्यों में शामिल हुआ बिहार : प्रभाकर मिश्रा

एजेंसी

पटना।भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा है कि बिहार में मछली उत्पादन में लगभग 100 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि यह साबित करती है कि जब सरकार विकास पर काम करती है, तब नतीजे ज़मीन पर दिखते हैं। डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग की सतत पहल और आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल से बिहार आज मछली उत्पादन में देश के चौथे स्थान पर पहुंच चुका है, जबकि यही बिहार 2013-14 में नौवें स्थान पर था। श्री मिश्रा ने स्पष्ट कहा कि यह उपलब्धि संयोग नहीं, बल्कि एनडीए सरकार की दूरदर्शी नीतियों, पारदर्शी कार्यप्रणाली और वैज्ञानिक सोच का परिणाम है। जिन लोगों ने वर्षों तक बिहार को पिछड़ेपन, जातिवाद और परिवारवाद की राजनीति में उलझाकर रखा, उन्होंने कभी किसानों और मत्स्यपालकों की चिंता नहीं की। आज वही लोग आंकड़ों और उपलब्धियों से असहज हैं। वर्ष 2024-25 में 9.59 लाख टन मछली उत्पादन यह दिखाता है कि बिहार ने परंपरागत तरीकों से आगे बढ़कर वैज्ञानिक मत्स्यपालन को अपनाया है। 7,575.12 हेक्टेयर क्षेत्र में वैज्ञानिक तालाबों का निर्माण, बायोफ्लॉक और आरएएस जैसी आधुनिक तकनीकों का विस्तार इस बात का प्रमाण है कि एनडीए सरकार ने नीतियों को कागज़ से निकालकर ज़मीन पर उतारा है। बायोफ्लॉक तकनीक से कम जमीन और कम लागत में अधिक उत्पादन संभव हुआ है और अब तक 764 संरचनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। वहीं आरएएस तकनीक से 90 प्रतिशत तक पानी की बचत कर यह सिद्ध किया गया है कि संसाधनों की कमी विकास में बाधा नहीं बन सकती, बशर्ते सरकार की नीयत साफ हो। श्री मिश्रा ने कहा कि मछली उत्पादन में बढ़ोतरी से हजारों किसानों और युवाओं को रोजगार मिला है और मत्स्यपालन आज एक संगठित उद्योग के रूप में उभर रहा है। यह उन लोगों के मुंह पर करारा तमाचा है जो केवल आरोप, भ्रम और नकारात्मक राजनीति करते हैं। श्री मिश्रा ने दो टूक कहा कि बिहार अब पिछड़ेपन की राजनीति नहीं, बल्कि प्रगति और प्रदर्शन की राजनीति को चुन चुका है। देश में चौथे स्थान पर पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि एनडीए सरकार के नेतृत्व में बिहार आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

जब शासक वर्ग अपने बच्चो को सरकारी स्कूल नहीं भेजता, तो शिक्षा सुधरेगा कैसे?

एजेंसी

फतुहा। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉक्टर लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि देश में शिक्षा सुधार की सारी बातें खोखली है, क्योंकि नीति बनाने वाले खुद उस व्यवस्था का हिस्सा नहीं बनते जिसे वह जनता पर ठोकते हैं? मंत्री, सांसद, विधायक ,आईएएस, आईपीएस ,शिक्षक, क्लर्क ,लगभग 1.5 करोड़ से अधिक सरकारी कर्मचारी हैं। लेकिन उनके बच्चों का ठिकाना निजी और कान्वेंट स्कूल है? फिर सरकारी स्कूल बदहाल क्यों न हो देश में 10 लाख से अधिक सरकारी स्कूल है, फिर भी हर साल लाखों अभिभावक निजी स्कूलों की ओर भागते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार कई राज्यों के साथ बिहार में भी सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या लगातार घट रही है, जबकि शिक्षक भवन और बजट मौजूद है। शिक्षा हर साल लाखों करोड़ खर्च होते हैं फिर भी सरकारी स्कूल गरीबों का स्कूल बनकर रह गया या व्यवस्था की विफलता है। कानून क्या कहता है? संविधान का अनुच्छेद 21ए 6 -14 वर्ष के बच्चों का निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा राज्य का नीति निर्देशक तत्व अनुच्छेद 38,39 समान अवसर और सामाजिक न्याय लेकिन सवाल यह है कि क्या समान शिक्षा व्यवस्था बिना वर्ग भेज कर लागू हुई?जवाब साफ नहीं। असली सवाल तो सरकार से डर कर नहीं झकझोर कर पूछना चाहिए? जब सरकारी स्कूल बेहतर है तो सरकारी अफसर अपने बच्चों को वहां क्यों नहीं भेजते ,अगर वह नहीं भेजते तो क्या यह सरकारी स्कूलों के गुणवत्ता पर खुद सरकार का अविश्वास है? क्या गरीब का बच्चा प्रयोगशाला है ?और आमिर का बच्चा भविष्य ? एक कड़ा कानून ही समाधान है?सरकारी नौकरी, सरकारी स्कूल अनिवार्य।सभी सरकारी कर्मचारी ,जनप्रतिनिधि, न्यायपालिका, अधिकारी को सरकारी स्कूलों में पढ़ना अनिवार्य किया जाए? अपवाद केवल दिव्यंगता या विशेष चिकित्सा का कारण जो पालन न करने मे असमर्थ।प्रमोशन रोको, भत्ते रोको, शिक्षा भत्ता समाप्त करो, सरकारी स्कूल गरीबों का नहीं देश का स्कूल बनेंगे। निजी स्कूलों की मनमानी फीस पर अपने आप लगाम लगेगी। इतिहास उदाहरण बनेगी। कई विकसित देशों में पब्लिक स्कूल सिस्टम मजबूत है, क्योंकि नेता और अफसर वहीं पर पढ़ाते हैं। भारत में उल्टा नीति सरकारी पर भरोसा नहीं? भारत में उल्टा नीति सरकारी पर भरोसा नहीं।अंतिम चेतावनी जब तक शासक वर्ग के बच्चे सरकारी स्कूल मे नहीं पढ़ाएंगे तक शिक्षा में सुधार सिर्फ भाषण रहेगा। शिक्षा सुधार चाहिए तो सबसे पहले वर्ग भेद खत्म कीजिए। सरकारी नौकरी करते हैं तो सरकारी स्कूल अपनाइये यही असली सुधार है। ?बाकी सब ढोंग?

भाजपा प्रदेश कार्यालय में 27 नव निर्वाचित जिलाध्यक्षों का अभिनंदन, एसआईआर को धरातल पर उतारने का आह्वान

एजेंसी

पटना। भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को पार्टी के सभी 27 नव निर्वाचित जिलाध्यक्षों का सम्मान एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी तथा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने अंगवस्त्र व माला पहनाकर जिलाध्यक्षों का स्वागत किया और उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। समारोह में संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को प्रभावी रूप से लागू करने पर जोर दिया गया। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण के माध्यम से अवैध और घुसपैठिया मतदाताओं की पहचान होगी। उन्होंने कई विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता संख्या में हुई अप्रत्याशित वृद्धि को गंभीर बताते हुए इसे सुनियोजित षड्यंत्र करार दिया। कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू ने आगामी 48 नगर निकाय चुनावों में भाजपा कार्यकर्ताओं की जीत का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने एसआईआर को निष्पक्ष और आवश्यक प्रक्रिया बताते हुए कहा कि यह देश के नागरिक मतदाताओं के हित में है। कार्यक्रम में सभी नव निर्वाचित जिलाध्यक्षों सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। भोपतपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान राजेश कुमार, पिता नागेश्वर यादव, निवासी अहीलौरीया, थाना भोपतपुर, जिला पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस चोरी की घटनाओं को लेकर आगे की जांच में जुटी हुई है।

शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 270 लीटर नेपाली शराब बरामद

बीएनएम @ कुंडवाचैनपुर। शराबबंदी को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत कुंडवाचैनपुर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई है। गुप्त सूचना के आधार पर कुंडवाचैनपुर थाना पुलिस ने एसएसबी के साथ संयुक्त छापेमारी करते हुए ग्राम बड़वा खुर्द से एक मोटरसाइकिल पर लदी 690 बोतल नेपाली शराब बरामद की है। बरामद शराब की कुल मात्रा लगभग 270 लीटर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, छापेमारी के दौरान शराब कारोबारी मौके से फरार हो गया। हालांकि उसकी पहचान कर ली गई है और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत कांड दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शराब तस्करों के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

बेतिया राज की जमीन को लेकर किसानों का आक्रोश, पुश्तैनी हक के लिए आंदोलन की चेतावनी

बीएनएम @ तुरकौलिया। बेतिया राज की जमीन को अपने अधीन लेने के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए अभियान से आक्रोशित बिजुलपुर, विशुनपुरवा और जयसिंहपुर के किसानों ने रविवार को विशुनपुरवा स्थित गांधी पुस्तकालय में एकजुट होकर बैठक की। बैठक की अध्यक्षता किसान जवाहर लाल सिंह कुशवाहा ने की। बैठक में किसानों ने एक स्वर में कहा कि वे मर मिटेंगे, लेकिन अपनी पुश्तैनी जमीन किसी भी हाल में नहीं छोड़ेंगे। किसानों ने सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की। किसान चिंताहरण सिंह ने कहा कि बेतिया राज की कोठी से उनके पूर्वजों को करीब 100 वर्ष पूर्व यह जमीन प्राप्त हुई थी, जिसकी जमाबंदी कायम है और वे वर्षों से सरकार को लगान भी देते आ रहे हैं। ऐसे में जमीन छोड़ने का सवाल ही नहीं उठता। किसान उमेश सिंह ने कहा कि सरकार की इस साजिश को किसान नाकाम करेंगे। वहीं किसान हरेकृष्णा सिंह ने बताया कि इलाके के करीब 150 किसानों को अंचलाधिकारी (सीओ) द्वारा नोटिस देकर जमीन खाली करने का आदेश दिया गया है। नोटिस मिलने के बाद पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल है, लेकिन किसान अपने पूर्वजों से मिली जमीन को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे। इसके लिए वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को तैयार हैं। बैठक में अजित कुमार, देवेंद्र सिंह, ब्रजेश कुमार सिंह, विनय कुमार सिंह, उपेंद्र सिंह, शारदानंद सिंह, संजय कुमार सिंह, संतोष सिंह सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

चिराग पासवान के कार्यक्रम में मची भगदड़, कंबल लूटने की मची होड़

बीएनएम @पटना/हाजीपुर : केंद्रीय मंत्री और लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के हाजीपुर दौरे के दौरान कंबल वितरण कार्यक्रम में भारी अव्यवस्था और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। नववर्ष के बाद पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे चिराग पासवान ने दिवंगत नेता रामविलास पासवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने दौरे की शुरुआत की थी। कड़ाके की ठंड को देखते हुए गरीबों के लिए कंबल वितरण का आयोजन किया गया था, लेकिन हजारों की भीड़ जुटने के कारण वहां भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। कंबल पाने की होड़ में सुरक्षा घेरा टूट गया, जिसके चलते चिराग पासवान को कार्यक्रम बीच में ही छोड़कर निकलना पड़ा। इससे नाराज लोगों ने स्थानीय भाजपा विधायक अवधेश सिंह को घेरकर अपना विरोध दर्ज कराया।इस अप्रिय घटना के बावजूद चिराग पासवान ने अपना जनसंपर्क अभियान जारी रखा। उन्होंने अदलपुर, लालगंज और हरौली सहित विभिन्न गांवों का दौरा कर शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की और सड़क दुर्घटना व अन्य कारणों से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को सांत्वना दी। इस दौरान उनके साथ बिहार सरकार के मंत्री संजय सिंह और संजय पासवान समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी के अनुसार, इस दौरे का मुख्य उद्देश्य संगठन की मजबूती और आम जनता से सीधा संवाद था। हालांकि, वितरण कार्यक्रम में हुई अव्यवस्था ने आयोजकों की तैयारियों और प्रशासनिक सुरक्षा प्रबंधों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सांसद बनाम मेयरः राजनीतिक संघर्ष में फंसी बेतिया की जनता

सागर सूरज

बेतिया। बेतिया नगर निगम में सांसद संजय जयसवाल और मेयर गरिमा देवी सिकारिया के बीच छिड़ा विवाद अब राजनीतिक रंग ले चुका है। डीजल चोरी के आरोपों से उपजी यह जंग विकास कार्यों को ठप कर चुकी है, जिसका खामियाजा बेतिया की जनता भुगत रही है।

सांसद और मेयर के आपसी टकराव में बुनियादी सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं, जबकि जनता सहयोग और समाधान की उम्मीद लगाए बैठी है। राजनीति से ऊपर उठकर अब बेतिया के हित में एकजुटता दिखाने की जरूरत है।

विवाद की जड़यह विवाद सितंबर 2025 में तब भड़का जब जनसुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने सांसद पर पेट्रोल पंप से डीजल चोरी का आरोप लगाया।

उन्होंने मेयर गरिमा देवी के 14 अगस्त 2024 के पत्र का हवाला देते हुए दावा किया कि सांसद इसमें लिप्त हैं। जवाब में सांसद जयसवाल ने फेसबुक पोस्ट जारी कर मेयर को ही डीजल चोरी की "नायिका" करार दिया।

उन्होंने नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार के लिए मेयर को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह पुराना मामला फिर से गरमाया है। प्रशांत किशोर के आरोप सांसद को निशाना बनाने की कोशिश हैं, लेकिन सांसद ने इसे उजागर कर मेयर पर सीधा हमला बोला।

मेयर का कड़ा प्रतिकारमेयर गरिमा देवी सिकारिया ने सांसद के बयानों को आधारहीन बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई।

उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति में आरोप वापस लेने का अल्टीमेटम दिया और मानहानि का मुकदमा दायर करने की चेतावनी दी। मेयर ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की,

जिसमें सभी दस्तावेजों की पारदर्शी पड़ताल हो। उनका कहना है कि सांसद के हमले राजनीतिक साजिश हैं, जो नगर निगम के सुचारू कार्यों को बाधित कर रहे हैं।

सांसद की जांच मांगसांसद संजय जयसवाल ने बिहार के मंत्री से मिलकर स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) गठन की मांग उठाई। उन्होंने जांच में नगर निगम कार्यों की वीडियोग्राफी शामिल करने का सुझाव दिया। मेयर के पत्रों के सबूतों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं, जिन्हें उजागर करना जरूरी है। यह विवाद अब कानूनी रंग ले चुका है।

जनता पर असरजनवरी 2026 तक विवाद सुलझा नहीं है। कोई नई जांच रिपोर्ट या फैसला नहीं आया, लेकिन आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं।

बेतिया में सड़क, सफाई और विकास योजनाएं रुकी हुई हैं। स्थानीय लोग परेशान हैं—समस्याएं बढ़ रही हैं, बयानबाजी हावी है।

क्या यह टकराव बेतिया के भविष्य को प्रभावित करेगा? जनता अब सांसद-मेयर से सहयोग की अपील कर रही है।

सर्वोदय विद्यालय जाहिंगरा में 12वीं की प्रायोगिक परीक्षा प्रारंभ

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला के मेहसी सर्वोदय +2 उच्च विद्यालय, जाहिंगरा (पिपरा) में 12वीं कक्षा की प्रायोगिक परीक्षा का शुभारंभ हुआ। परीक्षा का संचालन विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक धर्म प्रकाश चौधरी के नेतृत्व में वरीय शिक्षक सत्य प्रकाश साहनी एवं अनूप कुमार की निगरानी में किया गया। प्रथम दिन प्रथम पाली में भौतिकी विषय की प्रायोगिक परीक्षा में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के निर्देशानुसार आज केवल एक ही पाली में परीक्षा आयोजित की गई। प्रभारी प्रधानाध्यापक धर्म प्रकाश चौधरी ने बताया कि परीक्षा कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा संचालन में शिक्षकगणों का सराहनीय योगदान रहा। जिनमें धनंजय कुमार (भूगोल), विनय कुमार (इतिहास), अनूप कुमार (सामाजिक विज्ञान), नीतू कुमारी (ई.पी.एस.), शोभा कुमारी (हिंदी), मीरा कुमारी (गृह विज्ञान),

जितेंद्र कुमार (अर्थशास्त्र), अरुण कुमार (मनोविज्ञान), नेहा कुमारी (गणित), कुंदन कुमार गोस्वामी (संगीत शास्त्र), शकील अहमद अंसारी (उर्दू) एवं राजकिशोर (वनस्पति शास्त्र) शामिल रहे। कड़ाके की ठंड के कारण छात्र-छात्राओं को परीक्षा केंद्र तक आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, इसके बावजूद सभी विद्यार्थियों ने अपने उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए परीक्षा में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मनरेगा बचाओ कार्यक्रम के तहत कांग्रेस का उपवास, केंद्र सरकार पर योजना कमजोर करने का आरोप

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में रविवार को मनरेगा बचाओ कार्यक्रम के तहत समाहरणालय परिसर स्थित कचहरी चौक पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष एक दिवसीय उपवास एवं प्रतीकात्मक विरोध कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ने किया। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मनरेगा योजना का सृजन तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के नेतृत्व में किया गया था, जिसका उद्देश्य गरीब और पिछड़े परिवारों को वर्ष में 100 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराना था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान केंद्र सरकार इस योजना को समाप्त करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि पहले मनरेगा योजना में केंद्र सरकार 90 प्रतिशत राशि राज्य सरकारों को उपलब्ध कराती थी, जबकि राज्य सरकार को मात्र 10 प्रतिशत राशि वहन करनी होती थी, जिससे राज्यों पर आर्थिक बोझ कम रहता था। लेकिन अब केंद्र सरकार की नीतियों के कारण इस योजना का स्वरूप बदला जा रहा है। नई व्यवस्था में केंद्र सरकार की योजनाओं पर ही राज्य सरकारों को काम करना होगा और राज्य सरकारों को 10 प्रतिशत के स्थान पर 40 प्रतिशत राशि खर्च करनी पड़ेगी, जबकि केंद्र सरकार केवल 60 प्रतिशत राशि देगी। जिला अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर किए जाने का विरोध कर रही है और इसी क्रम में 10 जनवरी से 29 जनवरी तक चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय के अलावा शैलेंद्र सिंह, विजय शंकर पांडे, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष बिट्टू यादव, महानगर अध्यक्ष औशदूर रहमान उर्फ रोमा खान, अनवर आलम अंसारी, राहुल शर्मा, विनय कुमार सिंह, प्रोफेसर अखिलेश दयाल, रमेश श्रीवास्तव, अजय झा, मोहम्मद नसीम अख्तर, मुख्तार आलम, नंद कुमार चौबे, यादव लाल पासवान, विश्वनाथ चौरसिया, मदन प्रसाद, पप्पू रंजन मिश्रा, रामप्रवेश तिवारी, अहमद अली, नेयाज अहमद खान, चंदेश्वर सिंह, रविंद्र तिवारी, कमरुद्दीन अंसारी, जयचंद प्रसाद यादव, परशुराम पांडे, रंजीत पांडे, दीपक भारती, नूर मोहम्मद, संजय पांडे, अरुण प्रकाश पांडे, महेंद्र पाठक, राजकुमार सिंह, राजकुमार अंजुमन, सत्येंद्र नाथ तिवारी, फैयाज अंसारी, रंजन शाह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व समर्थक उपस्थित रहे।

महाप्रयाणः चंपारण के आध्यात्मिक क्षितिज का दैदीप्यमान नक्षत्र अस्त, 116 वर्ष की साधना के बाद ब्रह्मलीन हुए 'तंत्र सम्राट' पंडित जगरूप मिश्र

बीएनएम @ अरेराज

भारतीय ज्ञान परंपरा और साधना के एक स्वर्णिम अध्याय का शनिवार को समापन हो गया। चंपारण की माटी के गौरव, प्रकांड विद्वान और जन-जन के आस्था के केंद्र 'तंत्र सम्राट' पंडित जगरूप मिश्र ने शनिवार रात्रि करीब नौ बजे अपने पैतृक निवास, मंगुराहां पंचायत के कौआहाँ गांव में अंतिम सांस ली। 116 वर्ष की लंबी आयु और शताब्दी से अधिक का अनुभव समेटे पंडित जी ने अपने जीवन के अंतिम क्षण तक न केवल अपनी चेतना को जागृत रखा, बल्कि जनमानस के कष्टों के निवारण के लिए खुद को समर्पित किए रखा। उनका जाना एक युग का अवसान है, जिसकी रिक्तता को कभी भरा नहीं जा सकेगा। पंडित जगरूप मिश्र की ख्याति केवल एक विद्वान के रूप में नहीं, बल्कि एक सिद्ध पुरुष के रूप में थी। उनके निधन के समाचार ने सीमाएं लांघ दीं और रविवार की सुबह होते ही समूचा क्षेत्र उनके दर्शन के लिए उमड़ पड़ा। क्या मोतिहारी, क्या पटना और क्या नेपाल—हजारों की संख्या में लोग इस महान आत्मा के अंतिम दर्शन के लिए व्याकुल दिखे। 116 वर्षों के इस लंबे सफर

में उन्होंने हजारों परिवारों के दुखों को अपनी विद्वत्ता और आध्यात्मिक शक्ति से दूर किया। उनके मुखमंडल का तेज और उनकी निष्काम सेवा भावना ही थी कि आज उत्तर प्रदेश से लेकर नेपाल तक का हर व्यक्ति शोकाकुल है। इस दुखद घड़ी में राजनीति और समाज सेवा से जुड़े कई दिग्गज उनके चरणों में नमन करने पहुंचे। विधायक राजू तिवारी, राजन तिवारी, पूर्व विधायक सुनील मणि तिवारी और पूर्व विधायक मीना द्विवेदी ने उनके पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान किया। साथ ही जिला परिषद अध्यक्ष ममता रॉय, गप्पू राय, कृष्णा मिश्र, कामेश्वर पांडेय, विवेक पांडेय, धनंजय पांडेय, अमित मिश्रा, रामबालक ठाकुर, चुमनलाल और हैप्पी श्रीवास्तव सहित सैकड़ों प्रबुद्ध नागरिकों ने इसे आध्यात्मिक जगत की एक अपूरणीय क्षति बताया। पंडित जी अपने पीछे तीन पुत्रियों, दामादों और नाती-पोतों का एक विशाल एवं सुसंस्कृत परिवार छोड़ गए हैं। रविवार को सखवा घाट की पवित्र तट पर मंत्रोच्चार के बीच उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। उनके नाती राजा बाबू ने जैसे ही उन्हें मुखाग्नि दी, वहां उपस्थित जनसमूह की आंखें छलक उठीं। पंडित जगरूप मिश्र भले ही पंचतत्व में विलीन हो गए हों, लेकिन उनकी ज्ञान की रश्मियां और लोक कल्याण की परंपरा चंपारण के इतिहास में सदैव अमर रहेगी।आरडीएक्स

रघुनाथपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हथियार तस्करी करते दो अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम @ तुरकौलिया

रघुनाथपुर थाना पुलिस ने छापेमारी कर एक अपाची बाइक पर सवार दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान मलाही थाना क्षेत्र के चटिया

टोला मठिया निवासी कामेश्वर गिरी के पुत्र नीरज गिरी तथा डुमरिया घाट थाना क्षेत्र के रामपुर खजुरिया निवासी अशोक गिरी के पुत्र नीतीश गिरी के रूप में की गई है। बताया जाता है कि दोनों अपराधी अपाची बाइक से हथियार लेकर बिक्री के लिए जा रहे थे। इसकी गुप्त सूचना थानाध्यक्ष अलका कुमारी को मिली। सूचना मिलते ही उनके नेतृत्व में पुलिस टीम लक्ष्मीपुर से सपही जाने वाली सड़क पर छापेमारी के लिए पहुंची। इसी दौरान एक अपाची बाइक पर सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। तलाशी के क्रम में उनके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। थानाध्यक्ष अलका कुमारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

ई - रिक्शा चालक संघ की आमसभा, उत्पीड़न के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

बीएनएम @ मोतिहारी

ऑटो एवं ई-रिक्शा चालक संघ, पूर्वी चंपारण की आमसभा रविवार को शहर के बलुआ चौक गोलंबर पर आयोजित की गई। इस दौरान मजदूर नेता कामरेड गणेश शंकर विद्यार्थी की पुण्यतिथि पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता ने की। आमसभा में ऑटो चालकों पर हो रहे जुल्म-अत्याचार के खिलाफ गहरा रोष व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नगर पालिका से लेकर नगर निगम तक पिछले 25 वर्षों से ऑटो चालकों से प्रतिदिन टैक्स की वसूली की जा रही है। पार्किंग के नाम पर करोड़ों रुपये वसूले गए, लेकिन आज तक न तो शहर में और न ही जिले में कहीं ऑटो स्टैंड या पार्किंग की कोई समुचित व्यवस्था की गई है। चालकों ने आरोप लगाया कि वे रोजाना सड़क किनारे प्रशासन की लाठी-डंडे की मार और दुकानदारों की गाली-गलौज सहकर वाहन चलाने को मजबूर हैं। परिवार के भरण-पोषण के लिए उन्हें तमाम अन्याय सहना पड़ रहा है। यूनियन ने शासक वर्ग की मजदूर

विरोधी नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि टेंपो चालकों के लिए न तो रैन बसेरा की व्यवस्था है और न ही कोई बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सभा में यह भी घोषणा की गई कि 12 फरवरी को प्रस्तावित आम हड़ताल को पूरी तरह सफल बनाया जाएगा। यदि मांगें नहीं मानी गईं तो संघ बाध्य होकर प्रतिरोधात्मक आंदोलन करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी। सभा को सीपीएम जिला मंत्री कामरेड सत्येंद्र मिश्रा, कर्मचारी नेता शक्ति नाथ तिवारी, विपिन बिहारी दुबे, संगठन मंत्री हमराज हाशमी, नगर सचिव फिरोज आलम, उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार, प्रमोद राम, नानक मियां, पवन ठाकुर सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया। मौके पर सैकड़ों ऑटो एवं ई-रिक्शा चालक मौजूद रहे।

रक्सौल में व्यवसायी मोहम्मद कलीम के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारीः दूसरे दिन भी जारी जांच

सागर सूरज/ अमलेश कुमार

रक्सौल : बिहार के रक्सौल शहर में आयकर विभाग ने प्रमुख व्यवसायी मोहम्मद कलीम के 16 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी तेज कर दी है।

शनिवार सुबह घने कोहरे और कड़ाके की ठंड में शुरू हुई यह कार्रवाई रविवार को दूसरे दिन भी जारी रही।

आयकर अधिकारियों ने केंद्रीय सुरक्षा बलों की मदद से लक्ष्मीपुर बाइक शोरूम, पंकज सिनेमा चौक ज्वेलरी शोरूम, आदापुर थाना क्षेत्र के पैतृक घर, अल्ट्रासाउंड सेंटर और अन्य प्रतिष्ठानों पर दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड व बही-खातों की बारीकी से छानबीन की।

पटना, मुजफ्फरपुर और झारखंड से पहुंची आयकर टीम ने करीब एक दर्जन वाहनों के काफिले के साथ अचानक दबिश दी।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, छापेमारी आयकर फाइलिंग में गड़बड़ी व टैक्स चोरी के संदेह में की गई है।

अधिकारियों ने व्यवसायी कलीम, उनके परिवारजनों व कर्मचारियों से घंटों पूछताछ की तथा संपत्ति, आय-व्यय के पुराने रिकॉर्ड जब्त किए।

रक्सौल मुख्य पथ पर स्थित तनिष्क शोरूम व हीरो होंडा आउटलेट सहित सभी जगहों को घेर लिया गया।

शहर में इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया। व्यापारिक समुदाय में बेचैनी फैल गई, क्योंकि कलीम रक्सौल के चर्चित कारोबारी हैं।

स्थानीय लोग अफवाहों के भंवर में उलझे हुए हैं, लेकिन आयकर विभाग ने फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया।

सूत्र बताते हैं कि जांच में करोड़ों की अघोषित संपत्ति का पता चल सकता है। कार्रवाई के दौरान कोई गिरफ्तारी नहीं हुई, मगर अधिकारी रक्सौल में कैंप किए हुए हैं।

यह घटना बिहार के सीमावर्ती क्षेत्र में की गयी है इस लिए चर्चाओ क़ा बाजार गर्म है।

पूर्व में रक्सौल में ED जैसी एजेंसियों की कार्रवाइयां हो चुकी हैं, लेकिन यह आयकर विभाग की स्वतंत्र जांच है।

संक्षिप्त समाचार

भीषण ठंड के कारण बिहार के सरकारी व निजी स्कूलों के समय में बदलाव

बीएनएम@ पटना। बिहार में जारी भीषण शीतलहर और कनकनी के बीच जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है, जिसके कारण बच्चों की सेहत को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न जिलों के प्रशासन ने स्कूलों की छुट्टियों का विस्तार कर दिया है। बेगूसराय के जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री और आरा के जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने कक्षा एक से आठवीं तक के सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों के साथ-साथ आंगनबाड़ी केंद्रों को 13 जनवरी तक बंद रखने का आदेश दिया है। वहीं, सहरसा और मधेपुरा में ठंड की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी दीपेश कुमार ने कक्षा दस तक के स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों को 14 जनवरी तक बंद करने का निर्देश जारी किया है।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ऊंची कक्षाओं (कक्षा 9 या 11 से ऊपर) का संचालन सुबह 10 बजे के बाद सीमित समय के लिए होगा, जबकि बोर्ड और प्री-बोर्ड परीक्षाएं अपने निर्धारित समय पर जारी रहेंगी। विशेष रूप से, आंगनबाड़ी केंद्र बंद होने के बावजूद दोपहर 12 से 2 बजे के बीच बच्चों को गर्म पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है ताकि उनका पोषण प्रभावित न हो। मौसम विभाग की चेतावनी और लगातार गिरते पारे को देखते हुए जिलाधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। प्रशासन की इस सक्रियता का उद्देश्य कड़ाके की ठंड में छात्रों को स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों से बचाना है |

इंदौर-जयपुर की तर्ज पर सजेगा पटना का जेपी गंगा पथ

बीएनएम@ पटना। पटना के 'जेपी गंगा पथ' (मरीन ड्राइव) का स्वरूप अब पूरी तरह बदलने जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद, यहाँ हाल ही में स्थापित की गई फैब्रिकेटेड दुकानों को हटाने का फैसला लिया गया है। अब इस पूरे क्षेत्र को जयपुर और इंदौर जैसे स्वच्छ और सुव्यवस्थित शहरों के मॉडल पर विकसित किया जाएगा। प्रशासन के अनुसार, पुरानी दुकानों के डिजाइन में कई तकनीकी खामियां थीं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटक स्थल की परिकल्पना में फिट नहीं बैठ रही थीं।दुकानों के नए डिजाइन और उनकी सटीक संख्या पर अंतिम मुहर 'पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड' के बोर्ड की आगामी बैठक में लगेगी। फिलहाल, इन पुरानी दुकानों को जेपी गंगा पथ से हटाकर अस्थायी रूप से गर्दनीबाग क्षेत्र में स्थानांतरित किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत दीघा गोलंबर के पास के 280 पुराने वेंडरों को प्राथमिकता मिलनी है, जबकि हटाई जा रही दुकानों को प्राप्त करने के लिए 'जीविका दीदियों' ने भी अपना प्रस्ताव सरकार को सौंपा है।15.45 करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य गंगा पथ को एक आधुनिक वेंडिंग जोन बनाना है, जहाँ पर्यटकों को व्यवस्थित खान-पान और खरीदारी की सुविधाएं मिल सकें। स्मार्ट सिटी बोर्ड की बैठक के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि इन पुरानी दुकानों का भविष्य क्या होगा और नया वेंडिंग जोन कब तक बनकर तैयार होगा।

शराब बरामद,धंधेबाज गिरफ्तार

बीएनएम @ बगहाः बगहा पुलिस जिला के गंडक पार स्थित भितहा थाना पुलिस ने शनिवार की शाम एक सफल छापेमारी कर शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। थानाध्यक्ष अभिलाष कुमार के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में 45 पीस 'बंटी बबली' (कुल 9 लीटर देशी शराब) बरामद की गई।पुलिस ने मौके से शराब धंधेबाज सदाम अंसारी (ग्राम रेडहां) को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर रविवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस की इस सक्रियता से क्षेत्र के शराब धंधेबाजों और असामाजिक तत्वों में हड़कंप व्याप्त है।

बिहार अब अनुभवहीन नेतृत्व और भ्रष्टाचार को नहीं करेगा स्वीकारः संजय सरावगी

बीएनएम@ पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने रविवार को सनातन परंपरा और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लालू परिवार और विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सोमनाथ मंदिर का उल्लेख करते हुए कहा कि तमाम आक्रमणों के बावजूद सोमनाथ आज भी सनातन आस्था का अडिग प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोमनाथ उपस्थिति को ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने कहा कि पूरा देश आज शिव भक्ति में लीन है, जो भारतीय संस्कृति की जीवंतता को दर्शाता है।सरावगी ने लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को भ्रष्टाचार के घेरे में लेते हुए कहा कि पूरा परिवार घोटालों में लिप्त है और जांच एजेंसियों के पास इनके विरुद्ध ठोस सबूत हैं। राजद के नेतृत्व पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब अनुभवहीन और भ्रष्ट राजनीति को पूरी तरह नकार चुकी है। साथ ही, उन्होंने भारत के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने की बात कही और तथाकथित 'सेकुलर' नेताओं की आलोचना करते हुए कहा कि वे बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर चुप्पी साधे हुए हैं।

जिसने चिता से निहत्थे भिड़कर मौत को हराया, आज वही वीर सिपाही जिंदगी से जंग हार गया

» जिसके हौसले से कांप उठा जंगल का चिता, उसके जाने से सूना पड़ा रामपुर खजुरिया

» मौत से आंखों में आंखें डालने वाला शेरदिल फौजी जीतेंद्र सिंह अब सिर्फ यादों में

बीएनएम@ डुमरियाघाट

भारत माता की सेवा में जीवन अर्पित करने वाले, साहस और शौर्य की मिसाल बने भारतीय सेना के सेवानिवृत्त जवान जीतेंद्र सिंह उर्फ जीतन सिंह का लंबी बीमारी के बाद रविवार तड़के उनके पैतृक गांव केसरिया प्रखंड स्थित रामपुर खजुरिया में उनका निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई और उनके दरवाजे पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जीतेंद्र सिंह भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद डिफेंस सिक्योरिटी कॉर्प्स (डीएससी) में पुनः सेवा दे रहे थे। गुजरात के जामनगर जंगल क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान उनके जीवन का वह साहसिक अध्याय सामने आया, जिसने उन्हें पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया। रात के अंधेरे में अचानक एक हिंसक चिता ने उन पर हमला बोल दिया। निहत्थे और अकेले होने के बावजूद उन्होंने अद्भुत साहस का परिचय देते हुए उस हिंसक चिता से डटकर मुकाबला किया। भीषण संघर्ष के बाद चिता को जान बचाकर भागना पड़ा। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हुए, लेकिन उनका हौसला और जज्बा नहीं टूटा। इस वीरता की चर्चा लंबे समय तक सेना और सरकारी हलकों समेत पूरे इलाके में होती रही। असामयिक निधन से उनका पूरा परिवार शोकाकुल है। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके दो पुत्र पंकज सिंह चंदन और धीरज सिंह हैं। जीतेंद्र सिंह सामाजिक, मिलनसार, हंसमुख और निडर स्वभाव के व्यक्ति थे। गांव और क्षेत्र में उन्हें एक आदर्श सैनिक और अच्छे इंसान के रूप में याद किया जाता रहेगा। उनके निधन पर विजयेंद्र कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, शिक्षक अनिल सिंह, शक्तिभूषण सिंह, राजकिशोर सिंह, संजय कुमार सिंह, भाग्यनारायण सिंह, मुन्ना सिंह, सुजीत कुमार, शत्रुघन सिंह, अशोक सिंह, नीरज कुमार, टिंकू सिंह, गौरीशंकर सिंह, राधाकांत सिंह, राधाकृष्ण सिंह, समेत सैकड़ों लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बड़े ही धूम धाम से क्षेत्र के गंडक (नारायणी) नदी के तट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। वीर सपूत जीतेंद्र सिंह की गाथा आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस और देशभक्ति की प्रेरणा बनी रहेगी।

दरभंगा की 16 पंचायतों का बजट वापस जाने का खतरा

बीएनएम @ दरभंगा

दरभंगा जिले में 15वें वित्त आयोग से पंचायतों के विकास के लिए मिली राशि के उपयोग में भारी लापरवाही उजागर हुई है। जिला पंचायती राज विभाग ने ऐसी 16 पंचायतों को चिह्नित किया है, जहाँ आवंटित फंड का न्यूनतम उपयोग हुआ है। जिला पंचायती राज पदाधिकारी प्रियंका कुमारी ने संबंधित मुखिया और पंचायत सचिवों को तलब कर स्पष्टीकरण मांगा है। जिले में सबसे खराब स्थिति सिंहवाड़ा प्रखंड की टेकटार पंचायत की रही, जहाँ मात्र 1.29% राशि खर्च की गई है, जबकि अन्य चिह्नित पंचायतों में भी यह आंकड़ा 2% से 29% के बीच ही सिमटा हुआ है।प्रशासन की चिंता का मुख्य कारण 31 मार्च की समय सीमा है; यदि तब तक राशि खर्च नहीं हुई, तो यह वापस चली जाएगी, जिससे सड़क, नाला, जल निकासी और स्ट्रीट लाइट जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी कार्य अधूरे रह जाएंगे। हालांकि, कुछ मुखियाओं ने चुनाव आचार संहिता और सचिवों के पद खाली होने को देरी की वजह बताया है, लेकिन जिलाधिकारी कौशल कुमार ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी है। ज्ञात हो कि इस राशि का उपयोग कचरा प्रबंधन, सोलर स्ट्रीट लाइट और स्कूलों की मरम्मत जैसे जनकल्याणकारी कार्यों के लिए किया जाना अनिवार्य है। लापरवाही बरतने वाले जनप्रतिनिधियों और कर्मियों पर अब कार्रवाई की तलवार लटक रही है।

अरेराज ने जीता सोमेश्वरनाथ टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट, फाइनल में बेतिया को 60 रनों से हराया

बीएनएम @अरेराज

महंत शिवशंकर गिरि महाविद्यालय स्टेडियम में रविवार को खेले गए सोमेश्वर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट (आयान ट्रॉफी सीजन-2) के फाइनल मुकाबले में मेजबान अरेराज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुड्डू इलेवन बेतिया को 60 रनों से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मैच की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद नगर पंचायत के मुख्य पार्षद अमितेश पांडेय उर्फ रंटू पांडेय, चंदन कुमार (खादिम शोरूम), नवीन कुमार और मन्नू कुमार गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अरेराज की टीम ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 174 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेतिया की टीम अरेराज के घातक गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 18.2 ओवर में 116 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। पुरस्कार वितरण समारोह में सोमेश्वरनाथ पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी रविशंकर गिरि ने विजेता अरेराज टीम को विनर शील्ड प्रदान की और खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विजेता टीम को अनिल कुमार अयान ट्रॉफी, न्यू इलेवन फुटबॉल क्लब एवं सोमेश्वर क्रिकेट टूर्नामेंट समिति की ओर से 50 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। वहीं उपविजेता बेतिया टीम को मुख्य पार्षद रंटू पांडेय द्वारा रनर शील्ड प्रदान की गई, जबकि नंदनी मोबाइल के संचालक मन्नू कुमार गुप्ता की ओर से 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। व्यक्तिगत प्रदर्शन में अरेराज के चिंटू दाई को 44 रन और 3 विकेट के शानदार ऑलराउंड खेल के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले अरेराज के मणि को 'मैन ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार दिया गया, जिसमें 11 हजार रुपये नकद और शील्ड शामिल थी। उन्होंने फाइनल मुकाबले में भी 4 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। वहीं छोटू सिंह की विस्फोटक बल्लेबाजी दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही, जिन्होंने मात्र 34 गेंदों पर 11 छक्कों की मदद से 81 रनों की तूफानी पारी खेली। मैच का सफल संचालन अंपायर रजनीश कुमार गिरि उर्फ बालाजी और गुड्डू आलम ने किया, जबकि स्कोरिंग की जिम्मेदारी शुभम गिरि ने निभाई। कमेंट्री के माध्यम से विक्की, राजा आलम, कौसर आलम और मुन्ना कुमार ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। फाइनल मुकाबला देखने के लिए स्टेडियम में हजारों की संख्या में खेल प्रेमी और क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पंचायतों में लगे फार्मर रजिस्ट्री शिविर में सैकड़ों किसानों का हुआ पंजीकरण

जमाबंदी समस्या से हजारों वंचित

बीएनएम @ हरसिद्धि

सरकार के दिशा-निर्देश के आलोक में हरसिद्धि प्रखंड की 19 पंचायतों में कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के संयुक्त तत्वावधान में फार्मर रजिस्ट्री तथा पीएम किसान सम्मान निधि के ई-केवाईसी को लेकर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में किसानों को फार्मर पंजीकरण की प्रक्रिया, इसके लाभ एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी गई। साथ ही मौके पर सैकड़ों किसानों का फार्मर रजिस्ट्रेशन और ई-केवाईसी भी कराया गया। अंचलाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी राघव प्रसाद ने बताया कि रविवार को पूरे प्रखंड में बड़ी संख्या में किसानों का फार्मर रजिस्ट्री एवं ई-केवाईसी किया गया है। उन्होंने किसानों से अपील की कि जो किसान अब तक पंजीकरण से वंचित हैं, वे आगामी शिविरों में पहुंचकर अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य कराएं। किसानों को यह भी बताया गया कि गांवों के सीएससी सेंटर पर भी निर्धारित शुल्क देकर फार्मर रजिस्ट्री एवं ई-केवाईसी कराई जा सकती है। अधिकारियों ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाया जाएगा, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और किसानों को समय पर सहायता मिल सकेगी। हालांकि शिविरों में किसानों की अच्छी-खासी भीड़ देखी गई, लेकिन बड़ी संख्या में किसान जमाबंदी की समस्या के कारण फार्मर रजिस्ट्री से वंचित रह गए। अधिकांश किसानों की भूमि उनके पिता, दादा या चाचा के नाम से जमाबंदी में दर्ज है। विभागीय नियमों के अनुसार फिलहाल उन्हीं किसानों का फार्मर रजिस्ट्री किया जा रहा है, जिनके नाम स्वयं की भूमि है या जिनका नाम जमाबंदी में अंकित है। कई किसानों ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में केवल करीब 10 प्रतिशत किसानों के नाम से ही निजी जमाबंदी है, जबकि अधिकांश किसानों की भूमि पैतृक है। किसानों ने सरकार से मांग की कि पूर्वजों के नाम से चली आ रही जमाबंदी को वर्तमान वंशजों के वंशावली के आधार पर विशेष शिविर लगाकर अपडेट कराया जाए, ताकि सभी किसान सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। शिविर में प्रखंड कृषि पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, कृषि सलाहकार सहित राजस्व विभाग के कर्मी उपस्थित रहे और किसानों को सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

फार्मर रजिस्ट्रेशन के लिए जमाबंदी के समस्या और लिस्ट में नाम अंकित नही होने को लेकर सरकार के अगले गाइडलाइन का इंतजार किया जा रहा है, आदेश आते ही सभी समस्याओं को सुलझा लिया जाएगा।

-अरविंद चौधरी
अंचलाधिकारी- हरसिद्धि

पतिलार में आवास योजना की भौतिक जांच शुरू

बीएनएम @ बगहा

बगहा-1 प्रखंड की पतिलार पंचायत में रविवार से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चयनित लाभुकों की भौतिक जांच शुरू कर दी गई है। पंचायत आवास सहायक पंकज कुमार यादव और मुखिया प्रतिनिधि डॉ. अभिषेक मिश्रा ने वार्ड सदस्यों के साथ मिलकर लाभुकों के आवास की वर्तमान स्थिति और दस्तावेजों की गहन समीक्षा की।जांच का मुख्य उद्देश्य योजना में पारदर्शिता लाना और यह सुनिश्चित करना है कि लाभ केवल वास्तविक जरूरतमंदों को ही मिले। आवास सहायक ने स्पष्ट किया कि अपात्र लोगों के नाम सूची से हटाए जाएंगे, जबकि डॉ. अभिषेक मिश्रा ने विश्वास दिलाया कि किसी भी योग्य लाभार्थी को योजना से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। प्रशासन की इस सक्रियता से ग्रामीणों में खुशी है और योजना के प्रति उनका विश्वास और भी मजबूत हुआ है।

प्रधानमंत्री आवास योजना जांच के नाम पर अवैध वसूली का आरोप

» रिश्वत पर भड़के मुखिया प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौपा आवेदन।

बीएनएम @ नौतन

प्रधानमंत्री आवास योजना की जांच के नाम पर अवैध वसूली किए जाने का मामला प्रकाश में आया है।इसको लेकर नौतन प्रखंड के दक्षिणी तेंदुआ पंचायत के मुखिया पति कैलाश मुखिया रिश्वतखोरी के आरोपों पर भड़क गए हैं।उन्होंने इस संबंध में नौतन प्रखंड विकास पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह को एक लिखित आवेदन सौंप कर मामले की शिकायत किया है मुखिया पति कैलाश मुखिया ने आवेदन में आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से जांच और सत्यापन के नाम पर अवैध रूप से पैसे की मांग की जा रही है। इससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को मानसिक व आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य गरीबों को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है,लेकिन कुछ लोग इस योजना को भ्रष्टाचार का माध्यम बना रहे हैं। ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई नहीं होने से लाभार्थियों का शोषण लगातार जारी रहेगा।कैलाश मुखिया ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से मांग किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए,ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। वहीं,वही नौतन प्रखंड विकास पदाधिकारी ने आवेदन प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की जांच कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी कीमत पर सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मामले के बाद पंचायत में चर्चा का विषय बना हुआ है और लाभार्थियों में भी कार्रवाई को लेकर उम्मीद जगी है।

स्वामी विवेकानंद स्वास्थ्य सेवा शिविर का हुआ भव्य आयोजन

बीएनएम @ कल्याणपुर

आरएसएस के तत्वाधान में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद स्वास्थ्य सेवा यात्रा के तहत निः शुल्क चिकित्सा जाँच शिविर एवं जागरूकता अभियान का भव्य आयोजन कल्याणपुर खण्ड के तीन मण्डलों के सेवा बस्ती क्रमशः प्रखंड मुख्यालय, भुवनछपरा एवं मनीछपरा में किया गया जिसका उद्घाटन कल्याणपुर शिविर का राजू मल्लिक, भुवनछपरा शिविर का विनोद माझी एवं मनीछपरा शिविर का नवल किशोर राम ने आरएसएस कार्यकर्ता सत्यम वत्स, मदन बैठा, अरुण साह, मनीछपरा ग्रामीण स्वास्थ्य सेवक नवनीत राम, समाजसेवी अनिल सिंह, दिनेश पटेल, डॉ. आरबी सोनी, राम अरज सिंह व उपस्थित चिकित्सकों के साथ संयुक्त रूप से दिप प्रज्वलित कर राष्ट्गान के साथ किये। स्वास्थ्य शिविर के दौरान प्रत्येक सेवा बस्ती में सौ से अधिक मरीजों का जाँच करते हुए उचित परामर्श एवं निः शुल्क दवा वितरण किया गया। शिविर संचालन के पूर्व स्वास्थ्य कर्मी एवं संघ कार्यकर्ताओं ने भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद जी के तश्वीर पर पुष्प अर्पित किये। कड़ाके के ठण्ड के वावजूद महिला व पुरुष मरीजों का तांता संध्या 4 बजे तक बना रहा जहाँ पीएमसीएच पटना, एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर, एमएमसीएच मधुबनी एवं एनएमसीएच सासाराम के अनुभवी चिकित्सकों ने सुविधा प्रदान किये। शिविर के समन्वयक सह रोगी कल्याण समिती सदस्य सत्यम कार्तिकेय वत्स ने बताया की आरएसएस अंतर्गत एनएमओ के द्वारा प्रत्येक वर्ष स्वास्थ्य सेवा शिविर का भव्य आयोजन विभिन्न सेवा बस्तियों में आयोजित किया जाता है जहाँ सैकड़ो जरूरतमदों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान किया जाता है जो आगे भी जारी रहेगा। शिविर को सफल बनाने में कोयलाबेलवा स्थित विराट रामायण मेडिकल कॉलेज के महिला व पुरुष स्वास्थ्यकर्मियों को अहम् भूमिका रही।

बीसीसीआई ने किया गड़बड़झाला

बीसीसीआई ने गड़बड़झाला किया। क्या अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों को लेकर भारत को बांग्लादेश से क्रिकेट संबंध तोड़ लेना चाहिए? बीसीसीआई ऐसा सोचती है, तो फिर उसने बांग्लादेश के खिलाड़ियों को आईपीएल नीलामी में क्यों शामिल किया? टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने के लिए भारत ना आने का बांग्लादेश का एलान क्रिकेट और भारत दोनों के लिए अच्छी खबर नहीं है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने तेज गेंदबाज मुस्तफिज़ुर रहमान पर हुए विवाद के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से बांग्लादेश के सारे मैच वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के सह-मेजबान श्रीलंका में कराने की मांग की है। आईसीसी ने ये मांग मानी (या मांग ना माने जाने की स्थिति में बांग्लादेश ने टूर्नामेंट का बहिष्कार किया), तो उसका दूरगामी असर होगा। यह साफ है कि रहमान के मामले में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गड़बड़झाला किया। उसने उन्हें उन खिलाड़ियों की लिस्ट में रखा, जिन्हें आईपीएल की फ्रेंचाइज़ी टीमें खरीद सकती थीं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने उन्हें खरीदा, तो एक भाजपा नेता और इस दल के समर्थक समूहों ने टीम के मालिक अभिनेता शाहरुख खान पर जुबानी हमले शुरू कर दिए। उन्हें गद्दार तक कहा गया। बेशक, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय इस समय निशाने पर है। उसको लेकर भारत के बहुसंख्यक समुदाय का नाराज होना लाजिमी है। लेकिन मुद्दा है कि क्या इसको लेकर भारत को बांग्लादेश से क्रिकेट संबंध तोड़ लेना चाहिए? बीसीसीआई ऐसा सोचती है, तो फिर उसने बांग्लादेश के खिलाड़ियों को आईपीएल नीलामी में क्यों रखा? उसके बाद राजनीतिक कारणों से किसी समूह विशेष ने भड़काऊ माहौल बनाया, तो क्या यह उचित नहीं होता कि बीसीसीआई अपने रुख पर कायम रहती और केकेआर को उचित संरक्षण देती? लेकिन उसने रहमान को टीम से हटा देने की सलाह दी, जिस पर केकेआर ने फ़ौरन अमल किया। उस पर बीसीबी ने भी उग्र प्रतिक्रिया दिखाई है। नतीजतन, सात फरवरी से शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप से एक नया विवाद जुड़ गया है। भारत और पाकिस्तान के एक- दूसरे के यहां ना जाने के फैसलों की आंच पहले से ही क्रिकेट प्रतियोगिताओं पर पड़ी हुई है। क्रिकेट के कारोबार में भारत आज अव्वल ताकत है।

सोमनाथ: भारत के अमिट स्वाभिमान का गौरवशाली प्रतीक

विनय राठौर

सोमनाथ, यह केवल एक तीर्थस्थल नहीं है, यह भारत की गौरवशाली धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय प्रतीक है। यह वह भूमि है, जहां भारत का स्वाभिमान मंदिर के शिखर पर लहराती पताका में प्रतिबिंबित होता है। यह वह स्थान है, जहां कण-कण में भारतीयों की आस्था और जीवटता की महक महसूस होती है। यह वह देवालय है, जो विध्वंस और पुनर्निर्माण की श्रृंखलाबद्ध घटनाओं की गवाही देता है। यह वह शहर है, जो बताता है कि कैसे शांत, अहिंसक और धर्मानुरागी जनता की समृद्धि और वैभव मतांध लुटेरों की बर्बर मानसिकता का शिकार बनीं। साथ ही, सोमनाथ यह भी बताता है कि सृजन और निर्माण की प्रकृति के आगे विध्वंस सचमुच बहुत बौना है। सोमनाथ के गौरव को पुनर्प्रतिष्ठित करने के लिए देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार पटेल और स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रसिद्ध साहित्यकार कन्हैयालाल मुंशी ने उल्लेखनीय योगदान दिया। सरदार पटेल ने गुलामी से मुक्ति के बाद स्वतंत्र भारत के स्वाभिमान और जन आस्था को मजबूत करने के लिए सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का भगीरथ कार्य किया। बाद में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकास भी, विरासत भी' मंत्र के साथ सोमनाथ तीर्थस्थल को पूरी भव्यता के साथ विकसित करने का बीड़ा उठाया। भारत के पश्चिमी छोर पर स्थित गुजरात के तटीय शहर सोमनाथ का वैभवशाली अतीत इतिहास में सुनहरे अक्षरों में अंकित है। सनातन धर्म में वर्णित 12 ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम ज्योतिर्लिंग के रूप में सोमनाथ दुनिया भर में फैले करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार स्वयं चंद्रदेव ने सोमनाथ मंदिर की स्थापना की थी। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की महिमा ऋग्वेद, महाभारत, श्रीमद्भावत और स्कन्द पुराण में भी वर्णित है। वह साल था 1026, जब एक विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी ने पहली बार सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया। आज साल 2026 में उस घटना को एक हजार वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। सोमनाथ मंदिर का हजार वर्षों का इतिहास विध्वंस, लूट और रक्तपात की अनेक घटनाओं के साथ-साथ स्वाभिमान और गौरव से भरे सृजन और पुनर्निर्माण की गौरवशाली गाथा कहता है। यह समझना जरूरी है कि सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनवी के आक्रमण का मकसद केवल बेशुमार धन-दौलत को लूटना नहीं था। गजनवी का उद्देश्य भारत के एक महान धार्मिक और सभ्यागत प्रतीक को नष्ट करना था। यही वजह है कि उसने मंदिर को ध्वस्त करने और पवित्र ज्योतिर्लिंग को खंडित करने के साथ-साथ पूरे नगर को तबाह कर दिया था। यह प्रयास था लोगों को भयभीत करने का, यह इरादा था लोगों की आस्था को डांवाडोल करने का, यह कट्टरता से भरा ऐसा कृत्य था, जो दूसरों की आस्था को नीचा दिखाकर स्वयं के श्रेष्ठ होने का दंभ भरता था। मंदिर को लूटना तो बस बहाना भर था, असल मकसद था काफिरों (हिन्दुओं) और उनके प्रतीकों को नष्ट करना। काफिरों की हत्या करने और सोमनाथ मंदिर एवं मूर्तियों को ध्वस्त करने के लिए गजनवी को 'गाजी' और 'मूर्तिभंजक' जैसी उपाधियां दी गईं। लेकिन, गजनवी शायद भारत को जानता ही नहीं था। वह भारतीयों की आस्था, स्वाभिमान, जीवटता, मिजाज और गर्वित प्रकृति से अनजान था। उसने मंदिर को तोड़ कर सनातन को अपमानित करने की कोशिश की, तो हम भारतीयों ने उसी स्थान पर फिर से नया मंदिर खड़ा कर दिया। यह हमें जीवन का एक मूल्यवान सबक सिखाता है कि कैसे गिरकर दोबारा खड़ा हुआ जाए, कैसे सबकुछ गंवाने के बाद बजाय हिम्मत हारने के फिर से सृजन किया जाए। यह सिलसिला केवल गजनवी तक ही सीमित नहीं रहा। उसके बाद और भी कई आक्रांता आए। उन सभी ने सोमनाथ तीर्थ का विध्वंस कर भारतीयता को चोट पहुंचाने की कोशिश की। भारत की आत्मा पर घाव देने का प्रयास किया। भारत के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने का अधम कृत्य किया। इन सभी के मंसूबे हमारे गौरवशाली प्रतीकों को नष्ट करना था, ताकि हम भारतीय स्वयं को लाचार और अपमानित महसूस कर सकें। लेकिन, यह भारत भूमि है। यहां समय-समय पर ऐसी विभूतियों ने जन्म लिया है, जिन्होंने भारत माता के गौरव को शिखर पर प्रस्थापित करने का कार्य किया है। गुजरात के लिए यह गर्व की बात है कि उसके दो-दो सपूतों ने मातृभूमि के गौरव और सनातन के पुनर्जागरण के भगीरथ कार्य में सर्वोच्च योगदान दिया है। लौह पुरुष सरदार पटेल ने जहां सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का ऐतिहासिक कार्य कर अपने मजबूत मनोबल और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर के निर्माण और सोमनाथ के आधुनिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया। भारत के आत्म गौरव और स्वाभिमान के प्रतीकों को नष्ट करने की कट्टवादी सोच के जवाब में सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराया। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने इस मंदिर को और भी भव्यता प्रदान करने के साथ इसके दायरे को पूजा-अर्चना से बढ़ाकर सामाजिक दायित्व, रोजगार, पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास से जोड़ दिया। सोमनाथ का मंदिर हो या अयोध्या का श्री राम मंदिर, दोनों यह संदेश देते हैं कि सत्य को दबाया नहीं जा सकता, विश्वास का विध्वंस नहीं हो सकता, आस्था कभी मर नहीं सकती और सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान खंडित तो हो सकता है, लेकिन खत्म कभी नहीं हो सकता। यह भारत का अपना विचार है। यह हम भारतीयों की सोच है। वास्तव में सोमनाथ जैसे प्रतीकों को केवल मंदिर कहना पर्याप्त नहीं होगा। ये भारत की आध्यात्मिक शक्ति के शक्तिशाली केंद्र हैं। ये हमारी आत्मा से जुड़े हुए वे प्रतीक हैं, जिनसे हमारी पहचान है। हम अपने जीवन को बेहतर बनाने, अपने ज्ञान को समृद्ध करने, जीवन की ऊर्जा प्राप्त करने, नैतिकता की शिक्षा ग्रहण करने, धन-धान्य से लेकर उत्तम मानव जीवन का आशीष पाने के लिए इन्हीं प्रतीकों की शरण में जाते हैं, और प्रार्थना करते हैं। भारत के इसी सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय स्वाभिमान को पुनर्स्थापित करने के लिए सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की पहल की। सरदार पटेल के नेतृत्व में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर 1951 में अपनी पूरी भव्यता के साथ आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। आज यह मंदिर भारत के अडिग स्वाभिमान के साथ ही सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प का प्रतीक बनकर करोड़ों लोगों को प्रेरणा दे रहा है। मंदिर के उद्घाटन समारोह में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मौजूद रहे। आज सोमनाथ मंदिर शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतरीन यात्री सुविधाओं के साथ अपनी अलौकिक छटा बिखेर रहा है। बीते वर्षों में हुए विकास कार्यों ने मंदिर परिसर का कायापलट कर दिया है। इस बदलाव का श्रेय जाता है प्रधानमंत्री मोदी को, जो श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं। मोदी ने भारत के 'अमृत काल' के लिए जो पंच प्रण दिए, उनमें से एक अपनी 'विरासत पर गर्व' करना भी है। उन्होंने सोमनाथ तीर्थस्थल में श्रद्धालुओं के लिए सर्वोत्तम सुविधाएं और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का विजन दिया। आज सोमनाथ भारत के सबसे बेहतरीन सुविधा वाले तीर्थ स्थलों में से एक के रूप में उभरा है। यह विकास और विरासत का अद्वितीय दृष्टांत बन गया है। जब आस्था के साथ-साथ सुविधाएं और सहूलियतें भी जुड़ जाएं, तो यह भक्तों के लिए सबसे बड़ा उपहार बन जाता है। सोमनाथ के अलौकिक दर्शन और आधुनिक विकास का अनुभव करने के लिए साल 2020 में लगभग 98 लाख श्रद्धालु यहां पहुंचे, बाद में साल 2024 तक हर वर्ष यह संख्या 92 से 97 लाख तक बनी रही। परिवहन और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए 828 करोड़ रुपए की लागत से जेतपुर-सोमनाथ हाईवे बनाया गया। अहमदाबाद से सोमनाथ के लिए साबरमती-वेरावल वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू की गई और पुराने केशोद एयरपोर्ट का नवीनीकरण उसे फिर से शुरू कर दिया गया है। प्रधानमंत्री के 'डिजिटल इंडिया' अभियान से प्रेरणा लेकर ट्रस्ट ने ऑनलाइन बुकिंग और पोस्टल प्रसाद जैसी अभिनव पहल शुरू की हैं, जिससे श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना से लेकर सोमनाथ दादा के प्रसाद का लाभ घर बैठे मिल रहा है। प्रधानमंत्री के 'मिशन लाइफ' के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर अब सोमनाथ मंदिर के फूलों को वर्मीकम्पोस्ट में बदल दिया जाता है, जो 1700 बिल्व पेड़ों के पालन-पोषण में योगदान देता है। प्लास्टिक कचरे का इस्तेमाल अब पेवर ब्लॉक बनाने में किया जा रहा है। यही नहीं, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के जरिए करोड़ों लीटर पानी का फिल्ट्रेशन, समुद्र तट पर मियावाकी जंगल का निर्माण और गिर-सोमनाथ जिले में 5 लाख से अधिक पौधरोपण भी ट्रस्ट की पर्यावरण-उन्मुख गतिविधियों को रेखांकित करता है। सोमनाथ अब नेट जीरो मंदिर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

युग निर्माता स्वामी विवेकानंद

सोमेश्वर बोड़ाल

वे इस दुनिया में इंसान के रूप में सिर्फ़ उनतालीस साल रहे। उन्होंने कोई नया सिद्धांत प्रतिस्थापित नहीं किया और न ही कोई तथाकथित सुधार आंदोलन शुरू किया। उन्होंने जो किया वह बदलते समय के हिसाब से शाश्वत सनातन हिंदू धर्म के सिद्धांतों के अनुरूप था। जैसे श्री चैतन्य महाप्रभु ने हिंदू समाज को इस्लामी हमले से बचाया, वैसे ही स्वामी विवेकानंद ने भी ब्रिटिश राज में यूरोपियन हमले का मुकाबला किया और तथाकथित पढ़े-लिखे, मॉडर्न हिंदुओं का हिंदू धर्म और संस्कृति में विश्वास वापस दिलाया। हिंदू धर्म में स्वामी विवेकानंद का एक बड़ा योगदान मुश्किल हालात में दुनिया के सामने धर्म की सच्ची और पूरी पहचान पेश करना था- उन्होंने हिंदू संस्कृति की पहचान को पूरा होने का एहसास दिलाया। स्वामी विवेकानंद के अभ्युदय से पहले, हिंदू समाज अलग-अलग समुदायों में बंटा हुआ लगता था, हर कोई कमोबेश आज़ाद था और हर कोई दूसरों से बेहतर होने का दावा करता था। इन समुदायों को हिंदू धर्म की आम बुनियाद की कोई साफ़ समझ नहीं थी। सिस्टर निवेदिता ने लिखाः- "धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद के भाषण के बारे में, यह कहा जा सकता है कि जब उन्होंने अपना भाषण शुरू किया, तो उनका विषय 'हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं' था, लेकिन जब उन्होंने भाषण खत्म किया तो हिंदू धर्म ने एक नया रूप ले लिया था।" स्वामी विवेकानंद ने सबसे पहले दिखाया कि पूरे हिंदू धर्म में कुछ बुनियादी बातें हैं जो सभी समुदायों को एक आम नींव के तौर पर मंज़ूर हैं। स्वामी विवेकानंद ने न सिर्फ़ हिंदू धर्म को उसकी पूरी पहचान दी बल्कि उसे एक भी किया। पश्चिम में पहले हिंदू मिशनरी के रूप में, स्वामी विवेकानंद ने 1893 में अमेरिका में धर्म संसद में हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व किया और अगले कुछ वर्षों तक वहां हिंदू धर्म का प्रचार करके, वे स्वयं हिंदू एकता के प्रतीक बन गए। अपने भाषणों और पत्रों के माध्यम से, उन्होंने

हिंदुओं की चेतना को जागृत किया, उन्हें उनकी साझी विरासत की याद दिलाई और उनके बीच एकता के बंधन को मजबूत किया। हिंदू धर्म संस्थाओं, रीति-रिवाजों, प्रथाओं, विश्वास प्रणालियों, दर्शन, धर्मों, देवताओं, शास्त्रों और बहुत कुछ का एक विशाल संग्रह है, जो एक साथ मिलकर इसकी उल्लेखनीय विविधता का निर्माण करते हैं। श्री रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद ने हिंदू धर्म को उसकी सारी विविधताओं के साथ अपनाया। उन्होंने संपूर्ण वेदों, ज्ञान कांड और कर्मकांड दोनों को स्वीकार किया। सभी ऋषि-मुनि; मूर्ति पूजा से लेकर इंसान के रूप में भगवान की पूजा तक- उन्होंने सबकुछ स्वीकार किया, किसी भी चीज़ को वर्जित नहीं रखा। हिंदू धर्म के सभी अलग-अलग पहलुओं को अपनाकर और उनमें नई जान डालकर, श्री रामकृष्ण और स्वामी विवेकानंद ने उन्हें संरक्षित करने में मदद की। स्वामीजी हिंदू धर्म को "यूनिवर्सल" बनाना चाहते थे, जो सभी लोगों और सभी जातियों के लिए हो। स्वामी विवेकानंद ने हिंदू धर्म को न सिर्फ़ यूनिवर्सल बनाया बल्कि उसे गतिशील भी बनाया। वह चाहते थे कि भारत की आध्यात्मिकता का पुराना संदेश दुनिया के सभी कोनों में फैले और भारतीय आध्यात्मिकता सभी लोगों तक पहुँचे। 19वीं सदी में, पश्चिम के लोगों की भारत और हिंदुओं के बारे में नकारात्मक राय थी। हिंदू धर्म को अंधविश्वास का धर्म माना जाता था। स्वामी विवेकानंद की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक इस गलत धारणा को बदलना था। स्वामीजी के अनुसार, धर्म का एक ज़रूरी अंदरूनी हिस्सा होता है और एक कम ज़रूरी बाहरी आवरण होता है। बाहरी आवरण में पौराणिक कथाएँ, रीति-रिवाज, त्योहार वगैरह होते हैं। ज़रूरी मूल में आध्यात्मिकता शामिल है। स्वामीजी ने दिखाया कि आध्यात्मिकता के मामले में हिंदू धर्म बाकी सभी धर्मों से बेहतर है। स्वामी विवेकानंद का एक और योगदान पुराने भारतीय ऋषियों के विचारों के सार के तौर पर उपनिषदों के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था। स्वामी विवेकानंद के प्रभाव से हिंदू धर्म में योग की अहमियत को आज पूरी दुनिया में पहचान मिली है। स्वामीजी ने योग को वेदांत के प्रैक्टिकल पहलू के तौर पर पेश किया। उन्होंने हिंदू मठों के लिए रिवाइवल, रीऑर्गेनाइज़ेशन और खास लक्ष्य तय करने में गाइड किया। स्वामी विवेकानंद ने मठों के जीवन को एक नई दिशा देकर और आध्यात्मिक जीवन के हमेशा रहने वाले सिद्धांतों को बड़े मॉडर्न समाज के हिसाब से बदलकर उसे फिर से ज़िंदा करने का रास्ता दिखाया। हिंदू मठों के इतिहास में, श्री शंकराचार्य पहले व्यक्ति थे जिन्होंने हिंदू मठों के जीवन को बनाने के लिए एक खास फ्रेमवर्क दिया। उन्होंने दस ऑर्डर या दशनामी शुरू किए, जिसमें भिक्षुओं के काम तय किए गए और उन्हें ऑर्गनाइज़ किया गया। श्री शंकर के समय से ही, भिक्षु पूरे भारत में अद्वैत वेदांत के टीचर और प्रचारक के तौर पर निकले। स्वामीजी ने मठों की ताकत का इस्तेमाल समाज की भलाई के लिए करने की योजना बनाई। रामकृष्ण मिशन इसी का नतीजा है। सिर्फ़ रामकृष्ण मिशन ही नहीं बल्कि देश में अभी काम कर रहे ज़्यादातर आध्यात्मिक और राष्ट्रवादी संगठन स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेते हैं। इस बहुत ज़्यादा मैटेरियलिस्टिक मॉडर्न ज़माने में भी, जो लोग अपने निजी फ़ायदों को छोड़कर और दुनियावी खुशियों को नज़रअंदाज़ कर धर्म और संस्कृति को बचाने के लिए काम कर रहे हैं, वे स्वामीजी को अपना प्रेरणास्रोत मानते हैं। स्वामीजी की शिक्षाएँ देश के अंदर और बाहर से हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति पर हो रहे वैचारिक हमलों का मुकाबला करने में हमारा सबसे मज़बूत हथियार भी हैं। स्वामीजी ने कहा, "अगले पचास सालों तक, हमारी भारत माता ही हमारी एकमात्र देवी हो।"

मेष राशि – नया काम शुरु करने का विचार आपके मन में आयेगा आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपका मन आध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। नया काम शुरु करने का विचार आपके मन में आयेगा। किसी दोस्त से अचानक मुलाकात आपके भविष्य लिए फायदेमंद साबित होगी, किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा होगी।

वृष राशि – आज व्यापार में लाभ मिलेगा आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। छोटे स्तर पर शुरु किया गया व्यापार आपके लिये लाभकारी रहेगा। आपने जो लक्ष्य निर्धारित कर रखें हैं, आज उनके काफी करीब पहुंच जायेंगे। विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, लेकिन अपनी समझदारी से आप उन्हें कामयाब नहीं होने देंगे।

मिथुन राशि – सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी आज का दिन खुशियां लेकर आया है। जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं, आज उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जो लोग उच्च शिक्षा पाने की इच्छा रखते हैं, उन्हें आज किसी अच्छे कॉलेज में दाखिला मिलेगा। आज आप मानसिक रूप से स्वस्थ बने रहेंगे। आपकी काबिलीयत से आज आपको नयी पहचान मिलेगी, आपके जूनियर आपसे कुछ नया सीखने की कोशिश करेंगे।

कर्क राशि – आज आपके बिजनेस में बढ़ोतरी होगी आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज आपको अपने वाणी पर संयम रखने की जरुरत हैं। इस राशि के जो लोग डॉक्टर हैं आज वो नयी क्लीनिक की ओपनिंग करने का मन बनायेंगे, जिसमें परिवार वालों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आज आपके बिजनेस में बढ़ोतरी होगी।

सिंह राशि – आज आपके दिमाग में नये-नये विचार आयेंगे आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी सरकारी अधिकारी का सहयोग मिलने से प्रसाशनिक कार्य पूरा होगा। जीवनसाथी के साथ चल रही अनबन आज समाप्त हो जाएगी। आज आपके दिमाग में नये-नये विचार आयेंगे। लेखन का कार्य कर रहे लोगों की रचनाओं की लोग तारीफ करेंगे। आज व्यर्थ की बातों में उलझने से बचें।

कन्या राशि – आज का दिन अच्छा रहेगा आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला हैं। साइंस और रिसर्च की फिल्ड से जुड़े लोगो को आज नया प्रोजेक्ट मिलेगा। पूराने कामों का निपटारा करने के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा। लोग आपकी मदद के लिये भी तैयार रहेंगे। बड़ों का दिया हुआ सुझाव आज आपके काम आयेगा।

तुला राशि – ऑफिस में जो काम आपने किया है, उसको संभाल कर रखें आज किस्मत आपके साथ रहेगी। आज समाज में आपकी एक अलग ही छवि निखर कर सामने आयेगी। ऑफिस में जो काम आपने किया है, उसको संभाल कर रखें। कभी भी उसकी जरूरत पड़ सकती है। बॉस आपको किसी जरूरी काम से दूसरे शहर की यात्रा पर भेज सकते हैं।

वृश्चिक राशि – घर में काम करते हुए थोड़ी सावधानी जरूर बरतें आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। महिलाएं आज रसोई घर में काम करते हुए थोड़ी सावधानी जरूर बरतें। आज आपमें सफलता और उच्चपद पाने की इच्छा जागृत होगी, जिससे आप और अधिक मेहनत करेंगे।

धनु राशि – जो लोग मार्केटिंग के क्षेत्र से जुड़े हैं आज उन्हें काफी धनलाभ होने वाला है भविष्य की योजनायें बनाने के लिये आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। इस राशि के जो लोग मार्केटिंग के क्षेत्र से जुड़े हैं आज उन्हें काफी धनलाभ होने वाला है । आज जीवन में चल रही समस्याओं का समाधान निकलेगा। कार्यक्षेत्र में आज आपके सामने कुछ ऐसी परिस्थितियां सामने आयेंगी, जिससे आप थोड़ा उलझन में पड़ सकते है।

मकर राशि – राजनीतिक से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है आज का दिन बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आज किसी कार्य में पड़ोसियों का सहयोग मिलेगा। आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीतिक से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कुंभ राशि – आज आपको अचानक धन लाभ होने वाला है आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज कोर्ट कचहरी में चल रहे मुकदमों का हल आपके पक्ष में आयेगा। राजीनीति से जुड़े लोगों को आज किसी सामाजिक समारोह में जाने का मौका मिलेगा।

मीन राशि – आज कुछ नए मौके भी मिलेंगे, जो आपको आर्थिक लाभ कराएंगे आज का दिन मिला-जुली प्रतिक्रिया देने वाला है। आज कुछ नए मौके भी मिलेंगे, जो आपको आर्थिक लाभ कराएंगे। पिछले किये गये प्रयासों का फल आज मिलने वाला है। किसी भी समस्या पर घबराने की बजाय अपनों की सलाह लें।

केन्द्र से टकराने की सतही राजनीति

हृदयनारायण दीक्षित

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संवैधानिक संकट पैदा कर दिया है। वे केन्द्रीय जांच एजेंसियों से भिड़ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यहां तृणमूल कांग्रेस के रणनीतिकार के आवास व कार्यालय पर छापा मारा। बताया गया कि एक घोटाले की जांच के लिए यह कार्यवाही की गई है, लेकिन जांच व कार्यवाही के समय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौके पर पहुंच गईं। वे अपने साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी ले गईं। दोनों पक्षों के बीच तीखी बातचीत हुई। आरोप-प्रत्यारोप लगे। प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि यह छापा कोयला तस्करी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े हुए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने छापे मारने की आड़ में उनके चुनावी रणनीति सम्बन्धी रिकार्ड को जब्त किया। प्रत्याशियों की सूची भी छीन ली गई है। इस आलेख के लिखे जाने तक तृणमूल कांग्रेस के लगभग दो दर्जन सांसद राजधानी दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर धरना दे रहे हैं। केन्द्रीय जांच एजेंसी के सामने राज्य पुलिस को खड़ा कर देना गंभीर संवैधानिक संकट पैदा कर सकता है। सबसे खास बात है कि मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता ने घोषणा की कि प्रवर्तन निदेशालय के छापे के जवाब में पश्चिम बंगाल में भाजपा के कार्यालयों पर छापेमारी की जाए तो क्या होगा। वे संविधान की परवाह नहीं करतीं। केन्द्र से टकराव लेना और स्वयं को केन्द्र द्वारा पीड़ित बताना ममता की राजनीति का हिस्सा है। पश्चिम बंगाल में जब तब केन्द्र और राज्य के बीच टकराव की घटनाएं होती ही रहती हैं। जनता ऐसी घटनाओं व ममता से ऊब गई है। तृणमूल कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो रही है। उम्र और परिस्थितियां ममता बनर्जी की सरकार बनाने में सक्षम नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत पहले ही बंगाल विधानसभा चुनाव को जीतने की महत्वाकांक्षा प्रकट कर दी थी। इसी क्रम में गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल का तीन दिवसीय दौरा किया था। उन्होंने तृणमूल के कुशासन की ओर जनता का ध्यान खींचा और राजग की शक्ति का गुरु मंत्र भाजपा के नेताओं को दिया। शाह ने कहा कि भय, भ्रष्टाचार, कुशासन और विदेशी घुसपैठ की राजनीति के स्थान पर विकास, विरासत और गरीब कल्याण की मजबूत सरकार बनाने का संकल्प बंगाल की जनता में दिखाई पड़ रहा है। ममता बनर्जी साल 2021 का विधानसभा चुनाव जीती भी थीं। भाजपा भी पूरे आत्मविश्वास के साथ चुनाव लड़ी और नेता विरोधी दल का पद हथियाने में सफल रही। साल 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। राजग का विस्तार हो रहा है। विदेशी घुसपैठ को लेकर ममता विपक्ष के आरोपों के घेरे में हैं। पड़ोसी बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध हुई हिंसा से विश्व आहत है। पश्चिम बंगाल के हिन्दू मतदाता भी बांग्लादेश की घटनाओं से आक्रोश में हैं। पिछले विधानसभा के चुनाव में ममता पर अल्पसंख्यकवादी होने के आरोप लगे थे। अब वे स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने के लिए प्रयासरत हैं। पिछले चुनाव में उन्होंने मंच से ही चंडी पाठ किया था। इस बार की चुनौती बड़ी है। 2021 की तुलना में राष्ट्रवाद का विचार काफी सशक्त हो गया है। ममता द्वारा चुनाव के पहले दुर्गा आंगन और सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा के संकेत भी दिए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव रखी। यहां प्रत्येक शुक्रवार को भारी संख्या में लोग आते हैं। एकत्रीकरण बढ़ता जा रहा है। यद्यपि ममता बनर्जी के विधायक हुमायूं कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है, तो भी स्थानीय नागरिक काफी डरे सहमे हुए हैं। बाबर भारतीय मुसलमान नहीं था। वह विदेशी हमलावर था। उसी की सहायता और मार्गदर्शन में बाबर के सिपहसालार सैयद मीर बाकी ने 1528 में अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ध्वस्त कर दिया था। दीर्घकाल तक चले आंदोलन से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण हुआ। दिव्य और भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर बन चुका है। लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। अयोध्या में की गई खुदाई की पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट में 3500 साल ईसापूर्व का वर्णन है। रिपोर्ट के अनुसार ईसापूर्व 3500 वर्ष से 1000 ईसापूर्व तक अयोध्या एक बस्ती है। एएसआई के अनुसार यहां एक दिव्य और भव्य मंदिर पहले से था। रिपोर्ट में 500 ईस्वी तक मंदिर के अस्तित्व के साक्ष्य हैं। मंदिर गिराकर मस्जिद बनाने के पाप को सुधारा जा चुका है। क्या देश बाबर को भूल सकता है? श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन और इसी विचार परिवार के अन्य संगठन भारतीय जनमानस का दिल जीतने में कामयाब हुए हैं। अब स्वयं को हिन्दू बताना लज्जा का विषय नहीं है। ममता बनर्जी बहुत पहले से अल्पसंख्यकवादी हैं। वे और इंडी गठबंधन के अधिकांश नेता स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने में जुटे हुए हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति के संकेत सुस्पष्ट हैं। ममता पश्चिम बंगाल में बहुत कमजोर स्थिति में हैं। अभी चुनाव के लिए कुछ महीने बचे हैं। पश्चिम बंगाल की उथल-पुथल को देश देख रहा है। दरअसल, ममता बनर्जी को जनता के बीच तृणमूल कांग्रेस विरोधी भावनाएं सुस्पष्ट दिखाई दे रही हैं। ममता के मन में विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साह है। वे हिन्दू ध्रुवीकरण की रणनीति पर अग्रसर हैं, लेकिन चुनाव में ध्रुवीकरण का लाभ उनको नहीं मिलेगा। ममता बनर्जी की राज्य सरकार के कार्यकाल में सत्ता संरक्षित लूट के मामले लगातार बढ़े हैं। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज व संदेशखाली के महिला उत्पीड़न के मामले सर्वविदित हैं। ममता के राज्य में अल्पसंख्यक तुष्टीकरण नया नहीं है। बेरोजगारी बढ़ी है। लोग गांव छोडकर पलायन कर रहे हैं और विकास का कहीं कोई नाम नहीं है। विपक्षी भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न जारी है। भारतीय संविधान में केन्द्र व राज्यों के बीच विषयों की एक सूची है। इस सूची के अनुसार पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आती है और सीबीआई ईडी केन्द्रीय प्राधिकार में होते हैं। दोनों को आमने-सामने खड़ा कर देना संविधान का उल्लंघन है। दोनों परस्पर पूरक हैं लेकिन ममता बनर्जी ने देश के संघीय ढांचे का ध्यान नहीं रखा। ऐसा कई बार हुआ है। वे विकल्प नहीं छोड़तीं और केन्द्रीय सत्ता को दोष दिया करती हैं। संविधान के अनुच्छेद 355 में वाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति से राज्य की संरक्षा करने का संघ का कर्तव्य है। ये भी है कि वाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति की सुरक्षा के साथ प्रत्येक राज्य की सरकार का इस संविधान के अपबंधों के अनुसार चलाया जाना सुनिश्चित करें। लेकिन ममता बनर्जी संविधान की मूल भावना का उल्लंघन कर रही हैं। उन्हें याद कराना पड़ेगा कि मुख्यमंत्री के सम्माननीय पद पर बैठने के समय संविधान पालन की शपथ ली जाती है। वे सम्माननीय मुख्यमंत्री हैं। उन्हें संविधान विरोधी कार्य नहीं करना चाहिए लेकिन उनका एक स्वभाव है। वे बहुधा गुस्से में आ जाती हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

राहुल द्रविड़ को 53वें जन्मदिन पर बीसीसीआई और खिलाड़ियों ने दीं शुभकामनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली

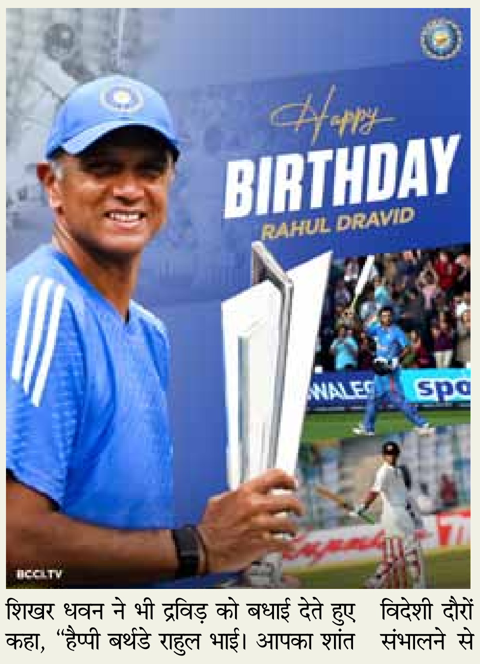

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ रविवार (11 जनवरी) को 53 वर्ष के हो गए हैं। आज के दिन साल 1973 में उनका जन्म हुआ था। इस अवसर पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पूर्व क्रिकेटरों ने इस महान खिलाड़ी को शुभकामनाएं दीं। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "509 अंतरराष्ट्रीय मैच, 24,208 अंतरराष्ट्रीय रन और 48 अंतरराष्ट्रीय शतक। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के विजेता मुख्य कोच, भारतीय क्रिकेट के महान राहुल द्रविड़ को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।" बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने लिखा, "भारतीय क्रिकेट के सच्चे स्तंभ और ईमानदारी, अनुशासन व उत्कृष्ट प्रदर्शन के प्रतीक राहुल द्रविड़ को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। आने वाला वर्ष उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, खुशी और निरंतर सफलता प्रदान करे।" पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने भी द्रविड़ को बधाई देते हुए कहा, "हैप्पी बर्थडे राहुल भाई। आपका शांत स्वभाव, क्लास और क्रिकेटिंग माइंड ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है। आपका दिन शानदार हो।" पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने एक्स पर लिखा कि भारतीय क्रिकेट की दीवार राहुल द्रविड़ को जन्मदिन की शुभकामनाएं। उनके साथ खेलना हर खिलाड़ी के लिए सौभाग्य की बात थी। दबाव के क्षणों में क्रीज और ड्रेसिंग रूम में उनकी शांत मौजूदगी हम सभी को आत्मविश्वास देती थी। उन्हें अच्छे स्वास्थ्य और उस खेल में निरंतर योगदान की शुभकामनाएं, जिससे वे बेहद प्यार करते हैं। 'द वॉल' के नाम से मशहूर राहुल द्रविड़ का योगदान केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहा। चुनौतीपूर्ण विदेशी दौरों में भारतीय बल्लेबाजी क्रम को संभालने से लेकर मुख्य कोच के रूप में अगली पीढ़ी को दिशा देने तक उन्होंने भारतीय क्रिकेट पर अमिट छाप छोड़ी है। इस महान बल्लेबाज ने भारतीय टीम के लिए 164 टेस्ट मैच खेले और 13,288 रन बनाए। इस प्रारूप में उनके नाम 36 शतक और 63 अर्धशतक हैं, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रहा। वनडे क्रिकेट में द्रविड़ ने 344 मैचों में 39.16 के औसत से 10,889 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 12 शतक और 83 अर्धशतक जड़े। उन्होंने भारत के लिए एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 31 रन बनाए। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में द्रविड़ ने खेलते हुए 89 मैचों में 28.23 के औसत से 2,174 रन बनाए, जिसमें 11 अर्धशतक शामिल रहे। अपने खेल करियर के बाद कोचिंग में भी द्रविड़ ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की। उनके मार्गदर्शन में भारत ने 2018 आईसीसी अंडर-19 विश्व कप और 2024 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीता। इसके अलावा भारतीय टीम 2023 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल तक पहुंची।

ऋषभ पंत न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर, ध्रुव जुरेल को मिला मौका

एजेंसी, नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के खिलाफ आज (रविवार) से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल होने के चलते इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पंत की जगह विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल किया है। बीसीसीआई ने रविवार को बताया कि ऋषभ पंत को शनिवार दोपहर वडोदरा के बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान नेट पर बल्लेबाजी करते समय दाहिने पेट के निचले हिस्से में अचानक बेचैनी महसूस हुई। उन्हें तुरंत एमआरआई स्कैन के लिए ले जाया गया और बीसीसीआई मेडिकल टीम ने उनके क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल नतीजों पर एक एक्सपर्ट के साथ विस्तार से चर्चा की। पंत को साइड स्ट्रेन (ऑब्लिक मसल टियर) का पता चला है और इस वजह से उन्हें वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया है। बोर्ड ने बताया कि पुरुषों की सिलेक्शन कमेटी ने ऋषभ पंत की जगह ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल किया है और जुरेल टीम के साथ जुड़ गए हैं।

भारत की अपडेटेड वनडे टीमः- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।

डब्ल्यूपीएल 2026ः हरमनप्रीत-स्किवर ब्रंट की चमक, मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 50 रन से रौंदा

एजेंसी, नवी मुंबई

डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) ने WPL 2026 में जोरदार वापसी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 50 रन से करारी शिकस्त दी। सीजन के पहले मैच में मिली हार के महज 24 घंटे के भीतर एमआई ने डीवाई पाटिल स्टेडियम में दमदार प्रदर्शन कर अपना खाता खोला। कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऑलराउंडर नैट स्किवर-ब्रंट की शानदार पारियों ने एमआई की जीत की नींव रखी। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए। स्किवर-ब्रंट ने 46 गेंदों में 70 रन की सधी हुई पारी खेली, जबकि हरमनप्रीत कौर ने 42 गेंदों में नाबाद 74 रन ठोकते हुए पारी को शानदार अंजाम तक पहुंचाया। 195 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। पावरप्ले के भीतर ही उसका शीर्ष क्रम ढह गया। हालांकि चिनेल हेनरी ने 30 गेंदों में 56 रन की आक्रामक पारी खेलकर कुछ देर संघर्ष किया, लेकिन अन्य बल्लेबाजों से उन्हें कोई खास साथ नहीं मिला। पूरी टीम 19 ओवर में 149 रन पर सिमट गई। मुंबई की गेंदबाजी में अमेलिया केर और निकोला कैरी ने निर्णायक भूमिका निभाई। दोनों ने तीन-तीन विकेट चटकाए और दिल्ली की रन गति पर लगातार अंकुश लगाए। नई गेंद से एमआई के अनुशासित आक्रमण ने दिल्ली को शुरुआत में ही बैकफुट पर धकेल दिया, जिससे वापसी का मौका नहीं मिल सका। इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस ने टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की और यह साफ संकेत दिया कि गत चैंपियन टीम खिताब की प्रबल दावेदार बनी हुई है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स को अपनी बल्लेबाजी और शुरुआती झटकों से उबरने के लिए जल्द सुधार की जरूरत होगी।

सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिपः महिला वर्ग में केरल की टीम चैंपियन बनी

एजेंसी, वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी सिगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रही 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में रविवार को महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में केरल की टीम ने रेलवे को हरा दिया। केरल की टीम ने रेलवे को 3-2 (22-25,25-20,25-15,22-25,15-8) से हराकर वॉलीबॉल चैंपियनशिप में बादशाहत कायम रखी और खिताब अपने नाम किया। इसके पहले सेमीफाइनल में रेलवे की टीम ने एक दिन पूर्व शनिवार शाम राजस्थान के खिलाफ अपनी बादशाहत कायम रखी। बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहे इस मुकाबले में महिला वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में रेलवे ने राजस्थान को 3-1 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह पक्की की। रेलवे ने मैच की आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले दो सेट 25-13 और 25-16 के बड़े अंतर से जीते। तीसरे सेट में राजस्थान ने जबरदस्त वापसी की और 26-24 से सेट जीतकर मैच को रोमांचक बना दिया। लेकिन चौथे सेट में रेलवे ने फिर से लय हासिल की और 25-19 से जीत दर्ज कर मैच 3-1 से अपने नाम कर लिया।

उत्तर क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय हॉकी प्रतियोगिता का शुरू

» इलाहाबाद, कानपुर, आगरा व मुरादाबाद ने जीते मुकाबले

एजेंसी, हरिद्वार

खिलाड़ी को खेल में लक्ष्य के प्रति सजग एवं निरन्तर प्रयत्नशील बने रहने पर ही फलता मिलती है। यह बात अपर पुलिस महानिदेशक एवं प्रमुख सचिव खेल आईपीएस अमित सिन्हा ने व्यक्त किये। खेल सचिव सिन्हा यहां गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय और नई दिल्ली के भारतीय विश्वविद्यालय संघ के तत्वावधान में आयोजित उत्तर-क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय हॉकी पुरूष वर्ग प्रतियोगिता के शुभारम पर बोल रहे थे। उन्होंने प्रतिभागी टीमों का आहवान किया कि खेल में प्रतिभा की पहचान एवं उसे तराशने में कोच की कुशलता जरूरी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये समविश्वविद्यालय कुलपति प्रो. प्रतिभा मेहता लूथरा ने कहाकि खेल का स्वरूप वृहद यज्ञ के समान है, जिसमे खेलने वाला खेल तथा कुशलता रूपी आहूति से श्रेष्ठता प्राप्त करता है। जिसमे समय एवं तकनीकि जानकारी रूपी समिद्या की आवश्यकता पडती है। उदघाटन कार्यक्रम का शुभारम्भ यज्ञ के माध्यम से हुआ। उत्तर-क्षेत्र की इस प्रतियोगिता में पंजाब, दिल्ली, उ.प्र., उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, कश्मीर आदि प्रदेशों की 42 विश्वविद्यालयों की टीमें प्रतिभाग कर रही है। हरिद्वार के वंदना कटारिया स्टेडियम में 17 जनवरी तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता नॉक-आउट कम लीग बेसिस पर आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का उदघाटन मैच कलस्टर यूनिवर्सिटी, जम्मू तथा यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद के मध्य आरम्भ हुआ जिसमें यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद ने कलस्टर यूनिवर्सिटी, जम्मू को 2-0 से परास्त किया। दूसरा मैच जीबी पंत विवि, पंतनगर तथा सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर के खेला गया जिसमें कानपुर ने पंतनगर को 6-0 से परास्त किया। डॉ. बीआर आगरा तथा कुमांयू विवि के बीच हुए मैच में आगरा 3-2 से विजयी रही। आईआईटी रूड़की तथा गुरू जम्बेश्वर, मुरादाबाद के बीच हुये मैच में मुरादाबाद 3-2 से विजयी रहा। इस अवसर पर पूर्व डीन प्रो. आरकेएस डागर, एआईयू आर्ब्जवर डॉ. सुरजीत सिंह, जिला क्रीडा अधिकारी शैलाबी गुरूंग, सचिव क्रीडा परिषद डॉ. अजय मलिक आयोजन अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार चौहान, आयोजन सचिव डॉ. कपिल मिश्रा व प्रतिभागी टीमों के कोच तथा मैनेजर उपस्थित रहे।

व्यापार

साप्ताहिक समीक्षा : वैश्विक दबाव में घरेलू शेयर बाजार के दोनों सूचकांक में आई गिरावट

नई दिल्ली। सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के बाद घरेलू शेयर बाजार साप्ताहिक आधार पर बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई के सेंसेक्स और एनएसई के निफ्टी दोनों सूचकांक सप्ताह के पांचो कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुए। पूरे सप्ताह गिरावट का शिकार होने की वजह से सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 2,185.77 अंक टूट कर 83,576.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने साप्ताहिक आधार पर 645.25 अंक लुढ़क कर 25,683.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। पिछले सप्ताह के कारोबार में बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स 2.50% की कमजोरी का शिकार हो गया। इस इंडेक्स में शामिल आईडीबीआई बैंक, स्विगी, ट्रेंट लिमिटेड, अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस और वारी एनर्जिज के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाइटन कंपनी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईसीआईसीआई बैंक, डिवीज लेबोरेट्रीज, सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया और ल्यूपिन के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। लार्जकैप की तरह ही बीएसई का मिडकैप इंडेक्स भी सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद साप्ताहिक आधार पर 2.60% की कमजोरी का शिकार होकर बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल प्रीमियर एनर्जीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज, सुजलॉन एनर्जी, जिंदल स्टेनलेस, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और रेल विकास निगम के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स, नेशनल अल्युमिनियम कंपनी, आईपीसीए लेबोरेट्रीज और टाटा एलेक्सी के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार में सबसे बड़ी गिरावट स्मॉलकैप इंडेक्स में दर्ज की गई। ये इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 4% की गिरावट का शिकार हो गया। इस इंडेक्स में शामिल ज्यादातर कंपनियां के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इनमें सिस्टमैटिक्स कॉरपोरेट सर्विसेज, वर्थ इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग, बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज, स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स, संदूर मैंगनीज एंड आयरन ओर्स, वीटीएम, किरी इंडस्ट्रीज, इंडियन मेटल एंड फेरो एलॉयज, साई सिल्क्स कलामंदिर, वार्ड विजार्ड

इन्नोवेशंस एंड मोबिलिटी, ट्रांसफॉर्मर्स एंड रेक्टिफायर्स इंडिया, बाजार स्टाइल रिटेल, कीटेक्स गारमेंट्स, इलेकॉन इंजीनियरिंग कंपनी और फेस 3 के शेयर साप्ताहिक आधार पर 15 से 23% तक की गिरावट का शिकार हो गए। सेक्टोलर फ्रंट पर देखें, तो निफ्टी के ऑयल एंड गैस, एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर इंडेक्स चार प्रतिशत से अधिक की साप्ताहिक गिरावट का शिकार हुए। इसी तरह निफ्टी के रियल्टी, मेटल, मीडिया और ऑटोमोबाइल इंडेक्स में भी दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा निफ्टी का डिफेंस इंडेक्स 1.3 प्रतिशत की साप्ताहिक कमजोरी का शिकार हुआ, जबकि निफ्टी का कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद एक प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 500 प्रतिशत तक टैरिफ बढ़ाने की धमकी, कमजोर ग्लोबल संकेत और कच्चे तेल की की कीमत में आई तेजी ने बाजार को गिराने में मुख्य भूमिका अदा की। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बाइपार्टिजन सैंक्शन बिल को आगे बढ़ाने की मंजूरी देकर रूस के सहयोगी देशों के खिलाफ कड़े कदम उठाने का प्रत्यक्ष संकेत दे दिया है। इस विधेयक में रूस के साथ कारोबार जारी रखने वाले देशों के खिलाफ 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। अगर ये विधेयक मंजूर हो जाता है, तो इससे भारत और चीन जैसे देश सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। इसी वजह से एक्सपोर्ट पर फोकस करने वाली ज्यादातर कंपनियों के शेयर में पिछले सप्ताह के दौरान जमकर बिकवाली होती रही। पिछले सप्ताह के कारोबार में एक बार फिर विदेशी निवेशक बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने रहे।

डी-मार्ट को तीसरी-तिमाही में 856 करोड़ का मुनाफाःरेवेन्यू 13% बढ़कर 18,100 करोड़; एक साल में कंपनी का शेयर सिर्फ 4% चढ़ा

मुंबई। रिटेल चेन डी-मार्ट को ऑपरेट करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड को वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में 855.78 करोड़ रुपए का मुनाफा (कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 18.27% बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में भी कंपनी को 723.54 करोड़ का मुनाफा हुआ था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में डी-मार्ट ने ऑपरेशन से 18,100.88 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया। सालाना आधार पर यह 13.32% बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 15,972.55 करोड़ रहा था। वस्तुओं और सेवाओं के बेचने से मिलने वाला पैसा रेवेन्यू या राजस्व होता है।

कंपनी का शेयर एक साल में सिर्फ 4% चढ़ा- शुक्रवार को एवेन्यू सुपर-मार्ट (डी-मार्ट) का शेयर 0.45% बढ़कर 3,807 के स्तर पर बंद हुआ था। कंपनी का शेयर एक साल में सिर्फ 4% चढ़ा है। बीते 6 महीने में यह 9% और एक महीने में 1% गिरा है।

सुपरमार्केट चेन डी-मार्ट के फाउंडर हैं दमानी- सुपरमार्केट चेन डी-मार्ट के फाउंडर राधाकिशन दमानी हैं। उन्होंने डी-मार्ट की शुरुआत 2002 में मुंबई के पवई इलाके से की थी। यहां उन्होंने डी-मार्ट का पहला स्टोर ओपन किया था। 1999 में दमानी ने नई मुंबई के नेरुल में 'अपना बाजार' की एक फ्रेंचाइजी की शुरुआत की थी, पर उन्हें यह मॉडल जमा नहीं था।

डी-मार्ट ने 2017 में शेयर बाजार में डेब्यू किया था- डी-मार्ट सुपरमार्केट चेन को एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड (ASL) ऑपरेट करती है। एवेन्यू सुपरमार्ट्स के CEO नेविल नोरोन्हा हैं। 68 साल के राधाकिशन दमानी की कंपनी डी-मार्ट ने 2017 में शेयर बाजार में डेब्यू किया था। डी-मार्ट 21 मार्च 2017 को शेयर बाजार में लिस्ट हुई थी, उस दिन कंपनी मार्केट कैप 39,988 करोड़ रुपए था। अब कंपनी का मार्केट कैप 2.48 लाख करोड़ रुपए है।

ऑफिस के काम में इंसानों को पीछे छोड़ देगा AI:ओपनएआई असली कामकाज से ट्रेंड कर रहा नया AI मॉडल

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव होने जा रहा है। ये सीधे तौर पर ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारियों की नौकरियों पर असर डाल कर सकता है। वायर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई एक एडवांस सिस्टम तैयार कर रही है। ये ऑफिस के रोजमर्रा के लगभग हर काम को इंसानों से ज्यादा सटीक और बेहतर तरीके से करने में खुद-ब-खुद सक्षम होगा।

इंसानों के असली कामकाज के डेटा से ट्रेनिंग दी जा रही- इस मॉडल को तैयार करने के लिए ओपनएआई इंसानों के असली कामकाज के डेटा का इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी ने इसके लिए 'हैंडशेक एआई' कंपनी के साथ पार्टनरशिप की है। इसके तहत अलग-अलग प्रोफेशन के कॉन्ट्रैक्टर्स से उनके पुराने और मौजूदा ऑफिस वर्क का डेटा जुटाया जा रहा है। इससे AI सीखेगा कि असल दुनिया में टास्क कैसे पूरे किए जाते हैं।

ओपनएआई ने कॉन्ट्रैक्टर्स से दो तरह का डेटा मांगा है...

टास्क रिक्वेस्टः मैनेजर या सहकर्मी की ओर से दिया गया वह निर्देश जिसमें किसी काम को करने के लिए कहा गया हो।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह चांदी आज दिल्ली में 11,000 रुपये प्रति किलोग्राम से भी अधिक महंगी हो गई। सोने के भाव में आज आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,40,460 रुपये से लेकर 1,40,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,28,750 रुपये से लेकर 1,28,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 2,60,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 4,640 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 4,250 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,479.38 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ है। चांदी के भाव में भी पिछले सप्ताह की कारोबार में 19 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। लंदन सिल्वर मार्केट में चांदी का हाजिर भाव 76.92 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंच गया है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,40,610 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,40,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,40,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,40,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,28,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,40,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,40,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,40,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,28,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,40,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

SBI की 'हर घर लखपति' स्कीम में करें निवेशःइसमें हर महीने 610 जमा करने पर मिलेंगे 1 लाख

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक यानी SBI एक खास रिकरिंग डिपॉजिट (RD) स्कीम 'हर घर लखपति' चला रहा है। इस स्कीम के तहत आप हर महीने छोटी-छोटी रकम जमा करके एक लाख या इससे ज्यादा रुपए इंतजाम कर सकते हैं। इसमें सामान्य नागरिकों को अधिकतम 6.55% और वरिष्ठ नागरिकों (सीनियर सिटीजन) को अधिकतम 7.05% सालाना ब्याज दिया जा रहा है। 'हर घर लखपति' एक खास रिकरिंग डिपॉजिट (RD) स्कीम है। इस स्कीम के तहत आप हर महीने छोटी-छोटी रकम जमा करके एक लाख या इससे ज्यादा रुपए इंतजाम कर सकते हैं। इसमें 10 साल तक हर महीने 610 रुपए जमा करने पर आपका 1 लाख रुपए का फंड तैयार हो जाएगा।

सबसे पहले समझें RD क्या हैत- रिकरिंग डिपॉजिट या RD बड़ी बचत में आपकी मदद कर सकती है। आप इसका इस्तेमाल गुल्लक की तरह कर सकते हैं। मतलब आप इसमें हर महीने सैलरी आने पर एक निश्चित रकम डालते रहें और इसके मैच्योर होने पर आपके हाथ में बड़ी रकम होगी। हर घर लखपति का मैच्योरिटी पीरियड आमतौर पर 3 साल से 10 साल तक रहता है। यानी आप 3 साल से 10 साल तक के लिए निवेश कर सकते हैं।

1 लाख से ज्यादा के लिए भी कर सकते हैं निवेश- हर घर लखपति योजना में आप 1 लाख रुपए से ज्यादा का टारगेट भी चुन सकते हैं। इसमें 2, 3 और 4 लाख आदि का टारगेट सेट करके भी निवेश कर सकते हैं। आप जितनी रकम का टारगेट रखते है, आपकी किस्त की राशि उसी हिसाब से तय होती है।

ओ रोमियो का फर्स्ट लुक आया सामने, खूंखार अंदाज में दिखे शाहिद कपूर; 13 फरवरी रिलीज होगी फिल्म

शाहिद कपूर की मच अवेटेड फिल्म ओ रोमियो का फर्स्ट लुक आज सामने आ गया है। इस पहले लुक में शाहिद काफी खूंखार अंदाज में नजर आ रहे हैं। लाल रंग के बैकग्राउंड में शाहिद का चेहरा खून से लथपथ दिख रहा है। वहीं वो जोश में चीखते दिख रहे हैं। पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद और विशाल भारद्वाज एक बार फिर कमीने जैसा कुछ अलग लाने वाले हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी साफ कर दिया है कि फिल्म की पहली झलक या टीजर कल सामने आएगा। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस फिल्म की झलक पाने के लिए बेकरार थे। अब शाहिद कपूर के इस पहले पोस्टर को ही देखकर फैंस उत्साहित हो गए हैं। पोस्टर में शाहिद का खूंखार अंदाज तो दिख ही रहा है, जिसमें उनके हाथ पर बना टैटू और कई ब्रेसलेट लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इस पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद एक और विशाल भारद्वाज मिलकर एक बार फिर कुछ अलग और नया करने वाले हैं। ये शाहिद और विशाल की साथ में चौथी फिल्म है। इससे पहले दोनों कमीने, हैदर और रंगून साथ में कर चुके हैं। इनमें कमीने और हैदर बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थीं और क्रिटिक्स ने भी इन्हें जमकर सराहा था। वहीं पिछली तीनों ही फिल्मों में विशाल भारद्वाज ने शाहिद को एक बिल्कुल ही अलग अंदाज में दिखाया है। ऐसा लगता है कि एक बार फिर विशाल, कुछ अलग अंदाज में ही शाहिद को पेश करने वाले हैं। ओ रोमियो का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। जबकि फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में एक दमदार स्टारकास्ट नजर आएगी, जो लोगों का ध्यान खींच रही है। इस भारी भरकम स्टारकास्ट में शाहिद कपूर के अलावा नाना पाटेकर, तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी, अरुणा ईरानी और फरीदा जलाल जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। फिलहाल अभी तक फिल्म की कहानी के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। अब दर्शकों को 13 फरवरी का इंतजार है, जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अलीशा पंवार ने बताई सच्चे प्यार की परिभाषा, कहा- शुरुआत भरोसे से होती है

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री अलीशा पंवार जल्द ही वेब सीरीज विन्नी की किताब में नजर आएंगी। यह सीरीज हंगामा ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। सीरीज में अभिनेत्री विन्नी की भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में अलीशा पंवार ने बातचीत में किरदार और कहानी को लेकर विचार व्यक्त किए। जब अलीशा से पूछा गया, इस सीरीज को आपने हां क्यों कहा? उन्होंने कहा, मुझे इसकी कहानी अच्छी लगी थी। यह सीरीज एक आम औरत की जिंदगी के उतार-चढ़ाव को दिखाती है कि किस तरह से वह मुश्किलों में टूटती है, फिर संभलती है, और दोबारा मजबूती से खड़ी हो जाती है। अलीशा ने आगे कहा, हर लड़की खुद को विन्नी में कहीं-न-कहीं जरूर देखेगी। हमारा समाज हमेशा से ही औरतों को कैद करके रखने की कोशिश करता है कि लोग क्या कहेंगे, कोई गलत समझ लेगा, जबकि गलती उसकी होती ही नहीं। इस सीरीज में यह मजबूत संदेश है कि औरत चाहे किसी भी उम्र की हो, शादीशुदा हो या फिर सिंगल, वह अपने पैरों पर खड़ी हो सकती है और खुश रह सकती है। अभिनेत्री से पूछा गया, क्या आपको कभी असल जिंदगी में धोखा मिला है? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, सच कहूं, तो मुझे कभी भी धोखा नहीं मिला है। मैं दोस्त बहुत सोच-समझकर बनाती हूं। मेरे दोस्त बहुत कम हैं, सिर्फ हम दो-तीन लोग। अगर कभी कोई गलत करे, तो सीधा मुंह पर मारो और आगे बढ़ जाओ। अभिनेत्री ने आगे प्यार की परिभाषा बताते हुए कहा, मेरे लिए प्यार की शुरुआत भरोसे से होती है कि अगर मैं किसी से साथ हूं, तो उस पर आंख बंद करके भरोसा कर सकूं और वही सच्चा प्यार ही होता है। अभिनेत्री ने कहा, जब आप विन्नी की किताब देखेंगे तो विन्नी की हर खुशी और उसके दर्द को महसूस करेंगे। हमने भी इस पर पूरे लगन और मेहनत से काम किया है। उम्मीद है कि सीरीज सभी को पसंद आएगी।

मेगास्टार चिरंजीवी और वेंकटेश फिल्म की मन शंकर वर प्रसाद गारु का ट्रेलर रिलीज

मेगास्टार चिरंजीवी और विक्ट्री वेंकटेश अभिनीत फिल्म माना शंकरा वर प्रसाद गारू का थिएट्रिकल ट्रेलर जारी हो चुका है और यह उम्मीदों पर खरा उतर रहा है। हिट मशीन अनिल रविपुडी द्वारा निर्देशित यह फिल्म त्योहारों के मौसम में दर्शकों को खूब पसंद आने का वादा करती है और इसके ज़ोरदार प्रचार अभियान ने इसे चर्चा में बनाए रखा है। ट्रेलर में चिरंजीवी की हास्यप्रद भूमिका दिखाई गई है, जो प्रशंसकों को याद दिलाती है कि उन्हें मेगास्टार क्यों कहा जाता है। वेंकटेश के साथ उनकी केमिस्ट्री शानदार है, और नयनतारा पारंपरिक पोशाक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। फिल्म का निर्माण उत्कृष्ट है, जिसमें स्टाइलिश दृश्य और एक नॉस्टैल्जिक बैकग्राउंड स्कोर शामिल है। माना शंकरा वर प्रसाद गारू, शंकरा वर प्रसाद की कहानी है, जो एक पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंट हैं और अब एक पारिवारिक व्यक्ति बन गए हैं। उनके खुशहाल जीवन में भी मुश्किलें आती हैं। फिल्म में मनोरंजन और

एक्शन का बेहतरीन मिश्रण है, जो इसे एक संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजन बनाता है। चिरंजीवी के पुराने अंदाज़, अनिल रविपुडी की कॉमेडी और वेंकटेश की दमदार उपस्थिति के साथ, यह फिल्म संक्रांति के मौके पर एक शानदार तोहफा साबित होने वाली है। कलाकारों का दमदार अभिनय देखने को मिलता है, सचिन खेडेकर ने अपने किरदार में पूरी तरह से ढलकर अभिनय किया है। समीर रेड्डी के दृश्य और भीम्स सेसिरोलियो का संगीत फिल्म की भव्यता को और बढ़ाते हैं। ए.एस. प्रकाश का प्रोडक्शन डिज़ाइन फिल्म की दुनिया को बखूबी जीवंत कर देता है। 'एमएसजी फिल्म 12 जनवरी को वर्ल्डवाइड रिलीज के लिए तैयार है।

अभिनेत्री, मॉडल, लेखक और फिल्म निर्माता हैं नताली बर्न, जिन्होंने टॉक्सिक के टीजर में मचाया तहलका?

सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स 19 मार्च को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का टीजर जारी हो चुका है जिसने आते ही सोशल मीडिया पर धूम मचा दी। इस टीजर में यश प्रभावशाली गैंगस्टर राया का किरदार निभाते दिखे हैं। उनकी कुछ सेकंड की एंट्री देखकर लोगों ने उन्हें आने वाली सुनामी बता दिया है। अभिनेत्री नताली बर्न भी टीजर का हिस्सा हैं जिन्होंने छोटा सा बोल्ड सीन देकर लोगों का ध्यान खींच लिया है।

यूक्रेन के कीव में जन्मीं नताली गुस्लिस्टा उर्फ नताली, एक अमरीकी अभिनेत्री, मॉडल, लेखक और फिल्म निर्माता हैं। रिपोर्ट के मुताबिक उनकी उम्र का तो अंदाजा नहीं है, लेकिन हर साल 20 मई को वह अपना जन्मदिन मनाती हैं। पढ़ाई मॉस्को के बोल्शोई बैले स्कूल से हुई है। इसके अलावा वह लंदन के रॉयल बैले स्कूल की छात्रा भी रही हैं। नताली ने करियर की शुरुआत अभिनेत्री और मॉडलिंग से की। बाद में फिल्म निर्माता और लेखक भी बन गईं। नताली ने कई चर्चित फिल्मों के जरिए हॉलीवुड इंडस्ट्री में पहचान बनाई है। उन्हें निम्फ (2014), द एक्सपेंडेबल्स 3 (2014), एक्सेलेरेशन (2019) और टिल डेथ डू अस पार्ट (2023) जैसी कई फिल्मों में देखा गया है। द लास्ट रिडेम्पशन (2024) में डायना की भूमिका के लिए उन्हें पूर्वी यूरोप फिल्म महोत्सव का सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला था। निजी जिंदगी की बात करें तो अक्टूबर, 2024 में नताली ने एमी पुरस्कार विजेता निर्देशक, टिमोथी वुडवर्ड जूनियर से शादी की थी।

धुरंधर का जादू बॉक्स ऑफिस पर बरकरार, रणवीर सिंह ने बनाया नया रिकॉर्ड, सुस्त पड़ी इक्कीस

सिनेमाघरों में आज प्रभास की मच अवेटेड 'द राजा साब दस्तक दे रही है। लेकिन अब तक बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर और 'इक्कीस बनी हुई हैं। हालांकि, एक ओर जहां 'धुरंधर 35 दिन बाद भी करोड़ों में अच्छी कमाई कर रही है। वहीं 'इक्कीस एक हफ्ते में ही सांसे भरती नजर आ रही है। रणवीर सिंह की 'धुरंधर 35दिनों बाद भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छे नंबर्स हासिल कर रही है। अब 35वें दिन गुरुवार को भी 'धुरंधर ने 4.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। इस तरह से सैकनिल्क के मुताबिक, 'धुरंधर का कुल कलेक्शन 790.25 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। हालांकि, मेकर्स का ऐसा दावा है कि फिल्म 800 करोड़ रुपए के कलेक्शन को भी पार कर चुकी है। अगस्त्य नंदा की पहली थिएटर रिलीज और धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस सिनेमाघरों में अपनी उपस्थिति बनाए हुए है। अब अपने आठवें दिन गुरुवार को 'इक्कीस ने 1.35 करोड़ रुपए की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 25.60 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित 'इक्कीस भारत के सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है। फिल्म में अगस्त्य नंदा ने अरुण खेत्रपाल की भूमिका निभाई है। वहीं दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की ये आखिरी फिल्म है। फिल्म में धर्मेंद्र अरुण खेत्रपाल के पिता की भूमिका में नजर आए हैं। एक ओर जहां ये दो बॉलवुड फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चल रही हैं। वहीं दूसरी ओर हॉलीवुड फिल्म 'अवतार: फायर एंड ऐश भी बॉक्स ऑफिस पर डटी हुई है। अब 21वें दिन गुरुवार को 'अवतार: फायर एंड ऐश 1.24 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। इस तरह से फिल्म का कुल कलेक्शन 179.74 करोड़ रुपए हो गया है।

कार्तिक आर्यन की नागजिला में नहीं होगी जल्दबाजी, करण जौहर रखेंगे फूंक-फूंककर कदम

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अभिनीत फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी 25 दिसंबर, 2025 को रिलीज हुई थी। धुरंधर की सफलता से बिना डरे निर्माता करण जौहर ने इसे सिनेमाघरों में उतारा था, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई। फिलहाल कार्तिक और करण अगली फिल्म नागजिला के लिए साथ जुटे हैं जिसकी घोषणा हो चुकी है। अपडेट है कि 14 अगस्त को रिलीज होने वाली यह फिल्म कुछ समय के लिए टल सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म निर्माता नागजिला की रिलीज तारीख को आगे खिसकाने पर विचार कर रहे हैं। ऐसी अटकलें हैं कि तू मेरी मैं तेरा... के बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन को देखते हुए यह कदम उठाया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, नागजिला की शूटिंग अभी जारी है। एक सूत्र ने कहा,

शूटिंग कुछ दिनों में पूरी होने की उम्मीद है। यह ऐसी फिल्म है जिसमें वीएफएक्स का भरपूर इस्तेमाल है। नतीजतन, पोस्ट-प्रोडक्शन में काफी समय लगेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, करण और कार्तिक दोनों ही पोस्ट प्रोडक्शन में जल्दबाजी नहीं करना चाहते। उन्हें पता है कि नागजिला बहुत खास फिल्म है। इसे सिनेमाघरों में उतारने से पहले ठीक तरह से तैयार करना जरूरी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निर्माता फिल्म के लिए नई रिलीज तारीख की तलाश कर रहे हैं। तारीख तय होने के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी। नागजिला का निर्देशन फुकरे फ्रैंचाइजी वाले मृगदीप सिंह लांबा कर रहे हैं।

शोभिता धुलिपाला कराएंगी अपराध की दुनिया से रूबरू, चिकाटीलो का पोस्टर जारी

ओटीटी प्लेटफॉर्म के दर्शकों को क्राइम-थ्रिलर फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कुछ साल में ऐसी बहुत सी फिल्में आई हैं, जिन्हें लोगों ने खूब पसंद किया। अब एक नई फिल्म चिकाटीलो दस्तक देने के लिए तैयार है जो क्राइम-ड्रामा से भरपूर होगी। फिल्म में शोभिता धुलिपाला मुख्य किरदार निभाते नजर आएंगी जिनकी पहली झलक सामने आ चुकी है। इसका निर्देशन शरण कोपिशेट्टी ने किया है, जबकि निर्माण सुरेश प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले किया गया है। अमेजन प्राइम वीडियो ने चिकाटीलो का ऐलान करते हुए लिखा, रात

के छाने से पहले, संध्या आ रही है, एक जोरदार धमाके के लिए तैयार हो जाइए। फिल्म के पोस्टर में शोभिता का गंभीर लुक दिखाई दिया है। वह सच्ची अपराध कहानियों की पॉडकास्टर संध्या के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी हैदराबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित है जो जघन्य अपराधों की भयावह कड़ी का खुलासा करेगी। चिकाटीलो 23 जनवरी को तेलुगु, तमिल और हिंदी भाषा में रिलीज होगी।

1000 years since Ghaznavi's attack on the Somnath Temple

Destroyed multiple times by Muslim rulers, rebuilt by Sardar Patel; stories from destruction to restoration

New Delhi,Agency: The Year 2026 is significant for the Somnath Temple in Gujarat for two reasons. It marks 1,000 years since Mahmud of Ghaznavi attacked and destroyed the temple in 1026. Meanwhile, on May 11, 1951, the 75th anniversary of the consecration of the rebuilt Somnath Temple in independent India has been celebrated. PM Modi has named this the "Somnath Swabhiman Parv."

5 reasons why Somnath was attacked

Immense treasure in the temple: The temple received huge donations from kings, traders and foreign travellers.

Close to the sea: Located on the coast of Saurashtra in Gujarat, it was considered the gateway to western India.

Political symbolism: Attacking a famous site conveyed the power and fear of the invader.

Weak local power: In Gujarat, outsiders took advantage of weak power or internal conflict.

Historical Fame: The invaders knew that the attack on the temple would be recorded in history.

Opinion of historians...

Romila Thapar writes that the attacks on the temple were not religious but political symbols.

RC Majumdar writes, the biggest reason for the attack on the temple was its wealth.

Satish Chandra wrote – Capture of Somnath means control over trade and power.

RS Sharma writes – When the ruler is weak, temples become the first target.

5 beliefs related to Somnath Temple

1. The only Shiva shrine associated with Chandradev

It is believed that Lord Chandra (Soma) married 27 daughters of King Daksha Prajapati, son of Lord Brahma, but he loved only Rohini. Angered by this, Daksha cursed him with tuberculosis (TB). The gods brought Lord Chandra to Somnath, where he performed rigorous penance to Shiva. Lord Shiva granted him partial salvation. Shiva became known as Somnath, meaning Lord of the Moon. This is why this temple is considered the only Shiva shrine associated with the Moon.

2. No land for 6000 km to the south The Somnath Temple is located at 20.89° N latitude and 70.40° E longitude. The direction in which the temple's spire faces is called the "Illegible Latitude." There is no landmass south of Somnath for approximately 6,000 km. However, there are small islands running east and west. The pillar in the temple complex bears an inscription in Sanskrit (Asamudrant Dakshin Dhruv Paryanta Abadhrit Jyotir Marg) on ??one side and in English on the other. It reads: "There is no obstruction in a straight line from this point to the South Pole."

3. The waves do not reach the seashore, the sanctuary

The Somnath Temple is located on the shores of the Arabian Sea, yet for centuries, the ocean waves have never touched the sanctum sanctorum. It is believed that this is a blessing from Lord Shiva. Local pundits say that even today, the sea does not cross the limits of Mahadev's dignity.

4. Every time it breaks, every time it's rebuilt

Claims of its destruction and reconstruction vary. Some historians say it was destroyed seven times, others 17. But it was rebuilt in the same location each time. Therefore, it is said that this is the only temple that has risen from the ashes every time.

5. Looted gates, differences in history

Ghaznavi looted the sandalwood doors of the Somnath temple and took them to Ghazni (Afghanistan) and installed them in a mosque. In 1951, through the efforts of President Dr. Rajendra Prasad, the doors were brought back to India and installed in Somnath.

West Bengal SIR: EC appoints 4 special roll observers

Additional officials to ensure electoral integrity

New Delhi,Agency: The Election Commission has appointed four additional special roll observers for West Bengal to bolster oversight of the ongoing Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls in the state, according to a notification.

The appointees are Ratan Biswas, Vikas Singh, Sandeep Rewaji Rathod and Dr Shailesh.

"The SROs will closely monitor the revision and verification exercises and ensure strict adherence to statutory instructions," an official was quoted as saying by PTI.

"The SROs were appointed to ensure transparency, accuracy, and uniform implementation of instructions related to electoral rolls. They will independently review the process on the ground and flag any deviations for immediate corrective action," he added.

In addition to the SROs, the Election Commission has deployed observers at various levels to monitor the Special Intensive Revision exercise. The official said the move aims to strengthen public confidence in the integrity of the electoral rolls. The appointments take effect immediately and will remain in force until further orders, the notification read.

The revision drive has been ongoing in West Bengal for more than two months, causing confusion among citizens and placing extreme pressure on field staff. Several BLOs have reportedly died from health complications or suicide, attributed to the increased workload.

Meanwhile, West Bengal chief minister Mamata Banerjee criticised the ongoing SIR in the state, alleging that a process meant to be constructive has already led to 77 deaths and left several others hospitalised.

"It is shocking that an exercise which should have been constructive and productive has already seen 77 deaths with 4 attempts to suicide and 17 persons falling sick and necessitating hospitalisation," she wrote in her letter to the Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar.

Mamata Banerjee also criticised the Election Commission, saying the ongoing Special Intensive Revision is putting citizens under undue pressure and scrutiny.

She described the process as "relentless harassment" of ordinary people and emphasized that careful human judgment is essential, as the revision forms the foundation of democracy and the constitutional framework. Criticising the Election Commission, the Chief Minister said even the "elderly, infirm, and seriously ill" are not being spared.

'Desperate, politically motivated'

Suvendu Adhikari writes to EC; rejects Mamata Banerjee's allegations on SIR

New Delhi,Agency: West Bengal leader of opposition Suvendu Adhikari on Sunday hit out at chief minister Mamata Banerjee, strongly rejecting her allegations about the Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls.

In a letter addressed to the Chief Election Commissioner, Gyanesh Kumar, Adhikari highlighted that Mamata Banerjee's letter to the EC "appears to be a desperate and politically motivated attempt to derail the ongoing Special Intensive Revision (SIR) exercise, which is a crucial step toward ensuring free, fair, and transparent elections in our state."

"This process, undertaken by the Election Commission of India (ECI) with utmost diligence, has evidently exposed vulnerabilities in the electoral rolls that threaten the prospects of her Trinamool Congress (TMC) party, prompting such unfounded outbursts," Adhikari added.

Man & minor girl found dead in forest, police suspect suicide over love affair in Kolhapur

Kolhapur,Agency: A 28-year-old man and a 17-year-old girl were found dead hanging from a tree, from a single rope, in a forest area roughly half a kilometre away from the main road at Tarsambale village in Kolhapur's Radhanagari tehsil on Friday.

A case has been registered at the Radhanagari police station, and the police suspect the couple ended their life because of problems in their love affair.

As per the Radhanagari police, Gurunath Kamble, the police patil of Tarsambale village, received a phone call on Friday informing him about the suicide.

When Gurunath went to the spot to verify the information, he spotted the bodies of a man and a woman hanging from a rope in the forest limits on the Dhamod-Durgmanwad road.

The police patil immediately informed the Radhanagari police station, and within minutes, the police reached the spot.

Inspector Santosh Gore said, "Looking at the condition of the bodies, it is estimated they died at least three days ago.

A foul smell had spread in the vicinity.

Medical officers from Rashiwade primary health centre arrived at the scene and performed an autopsy on the bodies. After that, we handed over the bodies to the families of the deceased for cremation.

Our primary suspicion is that they might have ended their lives due to problems in their love affair. Further investigation is ongoing."

Shadow minister Priti Patel calls for UK intervention to protect Hindus in Bangladesh

New Delhi,Agency: UK shadow foreign secretary Priti Patel has called on the British government to intervene in the "increase in violence" in Bangladesh that has involved murders of Hindus and use its influence to bring about stability in the country.

The British Indian Opposition Conservative MP posted her letter to Foreign Secretary Yvette Cooper on social media on Friday, which also calls upon the Labour Party government to make a statement on the issue in the House of Commons.

"The situation in Bangladesh is very concerning. Religious freedoms should be protected and the murders of Hindus and persecution taking place are wrong and must stop," said Patel.

"The UK government must use its influence and convening powers to work to bring about stability in Bangladesh and a future where religious freedoms are protected and Hindus as safe," she said.

In her letter to Cooper, the shadow minister points to reports of at least six Hindus being killed within an 18-day period in recent weeks.

"This level of persecution and violence is unacceptable... Given the increase in violence, can you advise what steps have been taken over the last year to monitor and make representations?

"Given the wider political situation in Bangladesh, what work is underway with partners in the region to use our diplomatic influence and convening powers to bring about stability in Bangladesh and respect and protections for minorities," she questions in her letter.

Meanwhile, the Ministry of External Affairs (MEA) has condemned a "disturbing pattern" of recurring attacks on minorities in Bangladesh.

"We continue to witness a disturbing pattern of recurring attacks on minorities as well as their homes and businesses by extremists. Such communal incidents need to be dealt with swiftly and firmly," MEA spokesperson Randhir Jaiswal said.

"We have observed a troubling tendency to attribute such incidents to personal rivalries, political differences, or extraneous reasons.

Grok will no longer use AI to create pornographic images: Sources claim X admitted its mistake, blocked 3,500 pieces of content, and deleted over 600 accounts

New Delhi,Agency: Social media platform X has admitted its content moderation errors. The company stated that it will strictly prohibit the generation of obscene images and comply with Indian laws.

According to government sources, this decision was taken after pornographic content went viral. The platforms reported blocking over 3,500 pieces of content and deleting over 600 accounts.

In fact, Shiv Sena (UBT) MP Priyanka Chaturvedi wrote to the IT Minister on January 2nd regarding the misuse of the AI ??chatbot Grok. Subsequently, the central government directed X that same day to immediately remove the obscene and vulgar content being created by the AI ??app Grok, or face legal action.

X said – India is a big market for us

X, while announcing the action, said that India is a major market for them. The company said that it will respect the regulations here. This step will strengthen content moderation.

Priyanka Chaturvedi said – X has limited the content instead of stopping it.

Rajya Sabha MP Priyanka Chaturvedi posted another post on the issue on X on Saturday, writing that the social media platform X has limited the generation of objectionable and sexually suggestive images through Grok to paid users only, instead of completely blocking it.

They alleged that the move effectively allows the unauthorized misuse of images of women and children, putting them at risk. They said it was shameful that the platform was monetizing reprehensible behavior.

Earlier, X owner Elon Musk said on January 3 that some people are saying Grok is creating offensive images, but that's like blaming a pen for writing something bad. The pen doesn't decide what gets written. The person holding it does that.

Musk said that Grok works in a similar way. What you get depends largely on what you input into it. Because the responsibility lies not with the tool but with the person using it. The issue was raised by a Shiv Sena (UBT) MP.

Shiv Sena (UBT) MP Priyanka Chaturvedi had written a letter to IT Minister Ashwini Vaishnav on January 2 over the misuse of AI chatbot Grok.

AI's Grok feature is being misused on social media, especially on X. Some men are creating fake accounts and posting photos of women, asking the AI ??to make the clothes look smaller or misrepresent the images.

This isn't just limited to fake accounts, but women who share their own photos are also being targeted. This is deeply wrong and a serious misuse of AI.